हरिभूमि
हिसार-हांसी भूमि
रोहतक, सोमवार 5 अक्टूबर 2026

12 42 हजार रुपये न्यूनतम मासिक वेतन व कर्मचारी का दर्जा मांगा



12 उत्तम नगर में कलश यात्रा के साथ भागवत कथा शुरू



खबर संक्षेप

बास में मेधावी छात्र प्रतिभा सम्मान समारोह आज

नारनौंद। हरियाणा कला परिषद द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव पर दसवां मेधावी छात्र प्रतिभा सम्मान समारोह सोमवार को बास के देवी मंदिर ग्राउंड में होगा। कार्यक्रम में बादली विधायक कुलदीप वत्स मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में मार्केट कमेटी के चेयरमैन शमशेर मोर सहित गणमान्य व्यक्ति शिरकत करेंगे। नव युवा जागृति मंच बास के प्रधान कपिल वत्स ने बताया कि हरियाणा कला परिषद की ओर से समारोह में क्षेत्र के प्रतिभावान छात्र और छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा।

उकलाना में 7 से 9 तक लगेगा सेवा सेतु कैंप

उकलाना। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम की ओर से बिजली उपभोक्ताओं की समस्याओं के समाधान और विभिन्न बिजली सेवाओं की जानकारी उपलब्ध करवाने के लिए 7 से 9 अक्टूबर तक सेवा सेतु कैंप लगाया जाएगा। कैंप का आयोजन बीडीपीओ कार्यालय, उकलाना में किया जाएगा। कैंप के दौरान शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के बिजली उपभोक्ता अपनी बिजली संबंधी शिकायतों और समस्याओं का समाधान करवा सकेंगे। इसमें नए बिजली कनेक्शन, बिजली बिल संबंधी शिकायत, मीटर संबंधी शिकायत, बिजली का लोड बढ़वाने, नाम एवं पता परिवर्तन सहित अन्य बिजली संबंधी मामलों का समाधान किया जाएगा।

आदमपुर में 11 को मनेगी महाराजा अग्रसेन जयंती

आदमपुर। अग्रवाल सभा के तत्वावधान में महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव का आयोजन 11 अक्टूबर को धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ किया जाएगा। जयंती समारोह को ऐतिहासिक व भव्य बनाने के लिए बैठक कर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। अग्रवाल सभा के अध्यक्ष घीसाराम जैन ने बताया कि महोत्सव का शुभारंभ रविवार शाम पांच बजे महाराजा अग्रसेन चौक पर होगा। जहां महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा पर तिलक, माल्यार्पण एवं केक कटिंग कर उन्हें नमन किया जाएगा। इसके पश्चात ढोल-नगाड़ों और जयकारों की गूंज के साथ अग्रबंधु जुलूस के रूप में माडल टाउन स्थित अग्रवाल सदन के लिए प्रस्थान करेंगे। उन्होंने बताया कि शाम सात बजे अग्रवाल सदन में अग्रवाल परिवार मिलन समारोह एवं भोजन-प्रसाद का आयोजन रखा गया है।

घर से जेवर-नकदी चोरी करने का आरोपी काबू

हिसार। सीआईए बरवाला टीम ने मिंगनी खेड़ा में घर से सोने-चांदी के आभूषण व नकदी चोरी करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान प्रेम निवासी किरतान के रूप में हुई है। पुलिस टीम ने आरोपी के कब्जे से चोरी किए गए सोने-चांदी के आभूषण व नकदी राशि बरामद की है। सीआई बरवाला प्रभारी ने बताया कि 3 अक्टूबर को रामप्रसाद की शिकायत दी थी कि उसके घर से सोने-चांदी के आभूषण तथा नकदी राशि चोरी हो गई है। शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। सीसीटीवी फुटेज व तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी प्रेम को काबू किया।

सजग की हैप्पीनेस वर्कशॉप आज से

हिसार। सामाजिक संस्था सजग एवं हैप्पीनेस एंड काउंसलिंग रिसर्च सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में छह दिवसीय निशुल्क वास्तु एवम हैप्पीनेस वर्कशॉप का शुभारंभ 5 अक्टूबर को होगा। संस्था की प्रवक्ता प्रीति मित्तल ने बताया कि 10 अक्टूबर तक इस वर्कशॉप में सजग प्रदेशाध्यक्ष वास्तुविद एवम काउंसलर सत्य पाल अग्रवाल व उनकी टीम द्वारा प्रतिदिन सुबह 11 से दोपहर 1 बजे तक तनाव, व्यवहार व जीवन से जुड़ी समस्याओं को लेकर व्यावहारिक काउंसलिंग प्रदान की जाएगी।

हांसी में प्राइवेट बस व डंपर की टक्कर 20 यात्री घायल, पांच की हालत गंभीर

राजकीय महाविद्यालय के पास रविवार सुबह हुआ भीषण हादसा, बस में सवार से करीब 45 से 50 यात्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

बरवाला रोड स्थित नेहरू कॉलेज के पास रविवार सुबह प्राइवेट बस और डंपर के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में करीब 20 यात्री घायल हो गए, जबकि 5 घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। गंभीर घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए हिसार रेफर किया गया है।

जानकारी के मुताबिक, प्राइवेट बस बरवाला से हांसी की ओर आ रही थी। इसी दौरान डंपर तोशाम की तरफ से बरवाला की ओर जा रहा था। नेहरू कॉलेज के पास दोनों वाहनों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे के वक्त बस में करीब 45 से 50 यात्री सवार बताए जा रहे हैं।टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस में सवार कई यात्रियों को चोटें आईं। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।



गंभीर घायलों को हिसार किया रेफर, हादसे की छानबीन में जुटी पुलिस

स्थानीय लोगों और राहत टीम की मदद से घायलों को तुरंत नागरिक अस्पताल पहुंचाया गया। हादसे में दोनों वाहनों के चालकों समेत कई यात्रियों को चोटें आई हैं। इनमें से 5 लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिन्हें डॉक्टरों ने हिसार रेफर कर दिया है। राहत की बात यह है कि फिलहाल किसी के हताहत और मौत की सूचना नहीं है। घटना की सूचना मिलते ही अनाज मंडी व सिसाय पुल पुलिस चौकी की टीम मौके पर पहुंची और घायलों को नागरिक अस्पताल पहुंचाया तथा मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस हादसे के कारणों का पता लगाने में जुटी है। दुर्घटना कैसे हुई और इसके लिए जिम्मेदार परिस्थितियां क्या रहीं, इसकी जांच के बाद ही पूरी तस्वीर साफ हो पाएगी।

रिपेयरिंग ट्रेन की चपेट में आने से युवती की मौत

आदमपुर। आदमपुर-भादरा रेलवे फाटक के पास रात्रि में ट्रेन की चपेट में आने से एक 18 वर्षीय युवती की मौत हो गई। मृतका की पहचान आदमपुर लाइन पार निवासी रक्षा के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रात्रि के समय रेलवे ट्रैक के पास से गुजर रही रिपेयरिंग ट्रेन आदमपुर स्टेशन की ओर आ रही थी। इसी दौरान युवती अचानक ट्रेन की चपेट में आ गई। हादसा इतना भीषण था कि युवती का सिर धड़ से अलग हो गया और मौके पर ही उसकी मृत्यु हो गई। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कार्रवाई के लिए अस्पताल भिजवा दिया है तथा मामले की जांच शुरू कर दी है।

हादसे में घायल कबाड़ी ने दम तोड़ा

नारनौंद। सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हुए कबाड़ का काम करने वाले एक व्यक्ति ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। राजस्थान मूल के निवासी एवं वर्तमान में गांव राजथल में रह रहे 45 वर्षीय गुरनाम सिंह कबाड़ की फेरी लगाते थे। बीते 29 सितंबर की शाम जब वे अपनी ऑटो से गांव लोहारी राघो से वापस राजथल लौट रहे थे, तो नारनौंद-बुडाना रोड पर एक तेज रफ्तार कार ने उनकी ऑटो को टक्कर मार दी। हादसे में गुरनाम गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों ने उन्हें नारनौंद के नागरिक अस्पताल पहुंचाया, जहां से चिकित्सकों ने उन्हें हिसार रेफर कर दिया। हालत में सुधार न होने पर परिजन उन्हें हांसी के एक निजी अस्पताल ले गए, जहां रविवार सुबह उन्होंने दम तोड़ दिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है। गुरनाम घर में अकेले कमाने वाले व्यक्ति थे। परिवार में उनकी पत्नी के अलावा तीन बेटे और एक बेटी हैं, जिनका मानसिक संतुलन सही नहीं है। बेसहारा हुए पीड़ित परिवार ने सरकार से आर्थिक मदद और मुआवजे की गुहार लगाई है। मामले के जांच अधिकारी सुरेंद्र कुमार ने बताया कि मृतक के बयानों के आधार पर अज्ञात वाहन चालक पर मामला दर्ज कर लिया गया था। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

झांकी के दौरान सोने की बालियां झपटने का आरोपी गिरफ्तार

हांसी। झांकी के दौरान महिलाओं के कानों से सोने की बालियां झपटने के मामले में किला बाजार चौकी पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान पंजाब के बठिंडा की पीरखाना मोहल्ला निवासी संजय उर्फ सन्जू के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके कब्जे से 4 हजार रुपये बरामद किए हैं। बरामद राशि को नियमानुसार पुलिस कब्जे में लिया गया है। एएसआई मुनीश कुमार ने बताया कि आरोपी से छीनी गई अन्य सोने की बालियों की बरामदगी और वारदात में शामिल अन्य आरोपियों की पहचान के लिए उसे अदालत में पेश कर एक दिन का रिमांड पर लिया है। रिमांड के दौरान वारदात से जुड़े अन्य आरोपियों और संभावित ठिकानों के बारे में जानकारी जुटाई जाएगी। जांच के दौरान पुलिस इस मामले में मोनू उर्फ अजय और विशाल कुमार को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। मोनू उर्फ अजय के कब्जे से शिकायतकर्ता से छीनी गई सोने की बाली बरामद हुई थी, जबकि आरोपी विशाल कुमार के कब्जे से भी एक सोने की बाली बरामद की गई थी। पुलिस के अनुसार मामला 19 जून 2026 को थाना शहर हांसी में चोरी की धाराओं के तहत दर्ज किया गया था।

झोटों की चोरी से ग्रामीणों में नाराजगी कार्रवाई के लिए 7 तक का अल्टीमेटम

बिठमड़ा में बैठक कर ग्रामीणों ने दी धरने की चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| उकलाना

बिठमड़ा गांव में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं को लेकर रविवार को गांव के चबूतरे पर सरपंच प्रतिनिधि कुलदीप सिंह धतरवाल की अध्यक्षता में ग्रामीणों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में गांव में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं पर चिंता व्यक्त की गई। इस दौरान गांव के चार झोटों की चोरी का मामला प्रमुखता से उठाया गया। ग्रामीणों ने बताया कि करीब 15-16 दिन पहले कलोदा गांव का झोटा और बिठमड़ा गांव का झोटा चोरों द्वारा एक ही दिन चोरी कर लिया गया था। इसके बाद दो दिन पहले बिठमड़ा गांव का दूसरा झोटा भी चोरी हो गया। चारों झोटों की चोरी की शिकायत पुलिस थाना में लिखित रूप से दर्ज करवाई जा चुकी है, लेकिन अभी तक किसी भी झोटे का पता नहीं लग पाया है।

सर्वसम्मति से लिया फैसला



ग्रामीणों का कहना है कि चोरी की घटनाओं को लेकर सरकार और प्रशासन की ओर से अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने के कारण उनमें रोष है। बैठक में ग्रामीणों ने सर्वसम्मति से फैसला लिया कि यदि 7 अक्टूबर तक पुलिस प्रशासन द्वारा चोरी हुए झोटों का पता लगाने तथा चोरों का सुराग लगाने के लिए प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई तो 8 अक्टूबर को ग्रामीण थाना उकलाना के एसएचओ कार्यालय के समक्ष धरना देने के लिए मजबूर होंगे। बैठक में सरपंच प्रतिनिधि कुलदीप सिंह, कामरेड मियां सिंह, शमशेर सिंह धतरवाल, मास्टर रामफल शर्मा, चरण सिंह सहरावत, डोलू पातड़, नरेश सोनी पंच, ईश्वर सिंह एडवोकेट पंच, किसान नेता इंदर सिंह धतरवाल, शमशेर सिंह, ऋषि पाल पंच, सूबे सिंह धतरवाल, राम भगत सिंह पूर्व पंच, पृथ्वी सिंह नंबरदार, सुखदेव सिंह धतरवाल, दलबीर सिंह धतरवाल, सतीश पंच, काला जांगड़ा पंच, चांदीराम उग्रहा, जीतू पहलवान, बीरबल सिंह धतरवाल, छोटा राम सहित बड़ी संख्या में पंच, पूर्व पंच, पंचायत समिति सदस्य तथा गांव के मौजिज नागरिक उपस्थित रहे।

आठ हजार क्विंटल धान की फसल खुले आसमान के नीचे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौंद

क्षेत्र की अनाज मंडियों में धान और बाजरे की आवक लगातार जारी है, लेकिन सरकारी खरीद शुरू न होने से किसानों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सरकार के खरीद संबंधी सभी दावे धरातल पर फेल साबित हो रहे हैं, जिसके चलते किसानों को दिन-रात मंडी में ही डेरा डालना पड़ रहा है। अनाज मंडी में धान की आवक 25 सितंबर से शुरू हो चुकी है और सरकार द्वारा 29 सितंबर से खरीद शुरू करने की घोषणा की गई थी। हालांकि गेट पास कटने शुरू हो गए हैं, लेकिन एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी कोई खरीद एजेंसी या मिलर मंडी में नहीं पहुंचा है। किसान मनदीप माढ़ा, अशोक, राजवीर, संदीप, महेंद्र, दीपक मसूदपुर, मनदीप पाली, नवदीप और रामदिया ने बताया कि उनकी सूखी फसल पिछले कई दिनों से खुले आसमान के नीचे पड़ी है। मौसम बिगड़ने पर उनकी 6 महीने की मेहनत बर्बाद होने का डर बना हुआ है। किसानों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द खरीद शुरू नहीं की गई तो वे सड़कों पर उतरने के लिए मजबूर होंगे।

मंडी में खरीद न होने से किसानों में रोष, सड़क पर उतारने की चेतावनी



नारनौंद। अनाज मंडी में धान की फसल को इकट्ठा करते हुए किसान।

सरकार को करनी चाहिए पुख्ता व्यवस्था

अनाज मंडी एसोसिएशन के प्रधान सुनील कुमार ने कहा कि खरीद न होने से मंडी काफी हद तक भर चुकी है। सरकार को सबसे पहले खरीद की पुख्ता व्यवस्था करनी चाहिए ताकि आने वाले दिनों में किसानों और आढ़तियों को और अधिक असुविधा न हो।

मंडियों में फसल

नारनौंद मंडी
5,000 क्विंटल धान

खेड़ी चोपटा मंडी
2,000 क्विंटल धान
1,000 क्विंटल बाजरा

लोहारी राघो मंडी
1,000 क्विंटल धान

आज से खरीद संभव

सोमवार से खरीद शुरू होने की पूरी संभावना है। यदि सोमवार को खरीद शुरू नहीं होती है, तो हरियाणा स्टेट एग्रीकल्चर मार्केटिंग बोर्ड के उच्च अधिकारियों तथा जिला उपायुक्त को लिखित में शिकायत भेजी जाएगी। किसानों को मंडी में किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होने दी जाएगी।
-रवि श्योरान, सचिव, मार्केट कमेटी

भकलाना में अवैध भट्टी का भंडाफोड़, भारी मात्रा में लाहन व शराब के साथ एक पकड़ा

नारनौंद। पुलिस ने गांव भकलाना में छापेमारी कर अवैध रूप से कच्ची शराब (हथकढ़) तैयार करने की भट्टी का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने मौके से आरोपी को काबू कर अवैध शराब, लाहन और भट्टी का सामान बरामद किया है। सब-इंस्पेक्टर नरेश कुमार ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि अशोक कुमार उर्फ बाबा गांव भकलाना स्थित मकान के आंगन में भट्टी लगाकर अवैध कच्ची शराब तैयार कर बेचने का धंधा कर रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए संबंधित स्थान पर दबिश दी। छापेमारी के दौरान गांव के सरपंच कृष्ण और चौकीदार बिल्लू की मौजूदगी में मकान की तलाशी ली गई। आंगन में भट्टी जलती हुई पाई गई, जिससे रबड़ की नाली के जरिए दो लीटर की बोतल में कच्ची शराब भरी जा रही थी। पुलिस टीम को देखकर भट्टी के पास खड़ा युवक भागने का प्रयास करने लगा, जिसे पुलिसकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए मौके पर ही दबोच लिया।

पकड़े गए आरोपी की पहचान अशोक कुमार उर्फ बाबा के रूप में हुई है। पुलिस ने मौके से 5 लीटर अवैध रूप से तैयार कच्ची शराब, 40 लीटर लाहन तथा शराब बनाने में इस्तेमाल होने वाले बर्तन और भट्टी के उपकरण जब्त किए हैं।

कार पर पालतू कुत्ते ने पेशाब किया, आपत्ति जताई तो पड़ोसी महिला और युवक ने सीए का हाथ तोड़ा; मां-बाप भी घायल

हिसार। सेक्टर-33 में रविवार सुबह कार पर पालतू कुत्ते द्वारा पेशाब करने को लेकर विवाद हो गया। कहासुनी के बाद पड़ोसी महिला ने अपने बेटे और एक अन्य साथी के साथ मिलकर पीड़ित परिवार पर हमला कर दिया। हमले में सीए बेटे के हाथ में फ्रैक्चर आ गया, जबकि उनके माता-पिता भी घायल हो गए। पूरी वारदात घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। मामले की सूचना पुलिस को दे दी गई है। सेक्टर-33 निवासी व्यापारी श्यामलाल सिंगला ने बताया कि सुबह करीब साढ़े आठ बजे उन्होंने अपनी कार की साफ-सफाई की थी। उसी दौरान पड़ोस में रहने वाली एक महिला अपने पालतू कुत्ते को घुमा रही थी। कुत्ते ने साफ की हुई कार पर पेशाब कर दिया।

जब श्यामलाल ने इस पर आपत्ति जताई, तो महिला ने बहस करते हुए कहा कि गली के आवारा कुत्ते भी तो घूमते रहते हैं और वहां से चली गई। आरोप है कि सुबह करीब साढ़े 11 बजे महिला अपने बेटे और एक अन्य युवक के साथ श्यामलाल के घर पहुंची और उनके सीए बेटे शुभम के साथ मारपीट शुरू कर दी। बीच-बचाव करने आई मां लता सिंगला और पिता श्यामलाल सिंगला पर भी आरोपियों ने हमला कर दिया। शोर सुनकर पहुंचे पड़ोसियों ने पीड़ितों को हमलावरों से छुड़वाया, जिसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए। घटना के बाद घायलों को इलाज के लिए नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने बताया कि शुभम के हाथ में फ्रैक्चर है।

डिजिटल भुगतान पर 15 से लागू होने वाले एमडीआर शुल्क की पहले से ही वसूली शुरू

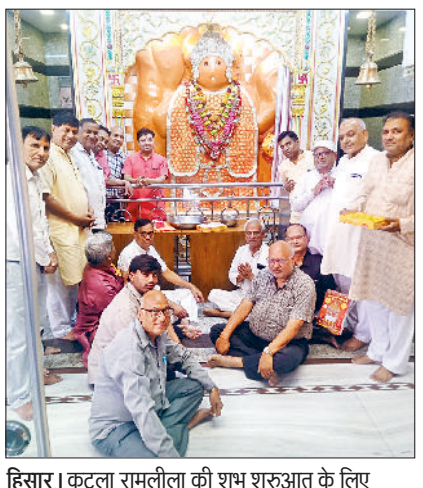
आदमपुर। केंद्र सरकार द्वारा 2000 रुपये से अधिक के डिजिटल लेनदेन पर 0.4 फीसद एमडीआर (मर्चेंट डिस्काउंट रेट) शुल्क लगाने का निर्णय लिया गया है, जिसे लागू करने की तिथि 15 अक्टूबर निर्धारित की गई है। सरकारी नियमों के अनुसार 500 रुपये, 1000 रुपये तथा 2000 रुपये तक के डिजिटल भुगतान पर किसी भी प्रकार का शुल्क लागू नहीं होगा। इसके बावजूद, आदमपुर एवं आसपास के बाजारों में दुकानदारों द्वारा 1 अक्टूबर से ही डिजिटल भुगतान पर ग्राहकों से अतिरिक्त राशि वसूलना शुरू कर दिया गया है। स्थिति यह है कि 100 रुपये जैसी छोटी खरीदारी पर भी 5 से 10 रुपये तक अतिरिक्त शुल्क लिया जा रहा है। इस संबंध में दुकानदारों का पक्ष है कि प्रतिदिन 20 से 30 हजार रुपये का डिजिटल लेनदेन होने के कारण आगामी समय में उन्हें भारी शुल्क का भुगतान करना पड़ेगा, जिसके चलते वे यह राशि उपभोक्ताओं से ले रहे हैं। वहीं दूसरी ओर, नियम लागू होने की तिथि से पूर्व तथा निर्धारित सीमा 2000 रुपये से कम राशि के लेनदेन पर भी शुल्क वसूले जाने से स्थानीय उपभोक्ताओं में भारी असंतोष है। ग्राहकों ने मांग की है कि इस प्रकार की अनधिकृत वसूली और महंगाई के अतिरिक्त बोझ से राहत दिलाने के लिए सरकार एवं स्थानीय प्रशासन तुरंत उचित कदम उठाए।

कटला पदाधिकारियों ने हनुमान मंदिर में की पूजा-अर्चना

पुराना गवर्नमेंट कॉलेज ग्राउंड में रामलीला 10 से

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

श्री रामलीला कमेटी कटला द्वारा पुराना गवर्नमेंट कॉलेज मैदान में 10 अक्टूबर से 21 अक्टूबर तक रामलीला का आयोजन किया जाएगा। इसलिए लिए पूरे विधि-विधान से मारुति नंदन की ध्वजा मैदान में स्थापित की जा चुकी है। इसी संदर्भ में रामलीला की शुभ शुरुआत के लिए श्री रामलीला कमेटी कटला के पदाधिकारियों व सदस्यों ने नागोरी गेट स्थित श्री हनुमान मंदिर में पहुंचकर देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना व आराधना की। श्री रामलीला कमेटी कटला के प्रधान विनोद गुप्ता ने बताया कि कटला रामलीला से जुड़े पदाधिकारी एवं आजीवन सदस्यों ने मंदिर में प्रथम पूज्य श्री गणेश जी व वीर बजरंग बली जी को पूरे श्रद्धाभाव से पूजा-पाठ के साथ निमंत्रण-पत्र अर्पित किया। इसी भांति अन्य देवी-देवताओं को भी निमंत्रण-पत्र अर्पित करके उनके आशीर्वाद की कामना की गई।



हिसार। कटला रामलीला की शुभ शुरुआत के लिए हनुमान मंदिर में निमंत्रण-पत्र अर्पित करते पदाधिकारी।

20 को मनेगा दशहरा

प्रधान विनोद गुप्ता ने बताया कि श्री रामलीला कमेटी कटला द्वारा रामलीला मंचन की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। 10 अक्टूबर से 21 अक्टूबर तक पुराना गवर्नमेंट कॉलेज रामलीला मैदान में भव्य रामलीला मंचन किया जाएगा। 20 अक्टूबर को विजयदशमी महोत्सव श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर श्री रामलीला कमेटी के प्रधान विनोद गुप्ता, सचिव ललित गोयल, अनूप बिंदल, विनोद कंसल, अश्विनी शर्मा, सज्जन गुप्ता, राजेन्द्र बंसल नेता जी, नंद किशोर, चंद्रभान सोनी, रामपाल, कमल किशोर, सुनील कुमार, विनोद वर्मा, जनकराज गुप्ता, अशोक शर्मा, राजेश शर्मा, परसा राम, प्रवीण सिंगल व आशीष जैन घी वाले सहित कमेटी के पदाधिकारी एवं आजीवन सदस्य उपस्थित रहे।

हांसी में रातभर सड़कों पर रही पुलिस की नजर, 648 वाहन जांचे, 132 के चालान

नाकाबंदी कर संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की जांच भी की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

अपराध और असामाजिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए हांसी पुलिस ने रातभर शहर और आसपास के प्रमुख मार्गों पर सघन चेकिंग अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक हांसी विनोद कुमार, आईपीएस के नेतृत्व में पुलिस टीमों ने विभिन्न स्थानों पर नाकाबंदी कर वाहनों की जांच की और संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ की। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने बताया कि रात्रि चेकिंग के दौरान पुलिस टीमों ने कुल 648 वाहनों की जांच की।

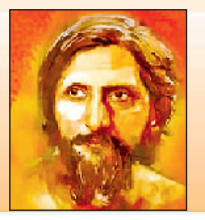
यातायात नियम तोड़ने वालों पर भी कार्रवाई



यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 132 चालान किए गए। इनमें 17 चालान ओवरस्पीड, 40 बिना हेलमेट, 8 बिना नंबर प्लेट और एक चालान रॉन्ग साइड ड्राइविंग का शामिल है। अन्य नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर भी नियमानुसार कार्रवाई की गई। चेकिंग के दौरान पुलिस ने संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की गहन जांच की। अवैध शराब, मादक पदार्थ, अवैध हथियार और चोरी के वाहनों की संभावित आवाजाही रोकने के लिए प्रमुख मार्गों, प्रवेश-निकास बिंदुओं और संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी गई।

पेट जितना भी भरा रहे, आशा कभी नहीं भरती। वह जीवों को कोई-न-कोई अप्राप्य, कुछ नहीं तो केवल रंगों की माया का इंद्रधनुष प्राप्त करने के मायावी दलदल में फँसा ही देती है।

- सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'



उसने अपनी आवाज़ दबने नहीं दी थी। यही आशंका तो आज उनके मन भी उठी! कहीं उसकी बेटी भी ठगी न जाए! दिनेश के परिवार ने उन्हें स्वीकार नहीं किया। इसे वे विषपान की तरह गले से नीचे उतार गई। कई तरह का अपमान सहने की प्रक्रिया में एक दिन उन्हें पता चला कि दिनेश पूर्व विवाहित है। अपनी सफाई में दिनेश ने बहुत कुछ कहा था।





कहानी

अशोक जैन

दूसरे छोर पर

मौसम में ठंडक बढ़ने लगी है। दूर-दूर तक खामोशी है। लगता है कि उदासी सशरीर शाम के रूप में आकर फैल गई है। बरामदे में आराम कुर्सी पर अधलेटी सी मिसेज खन्ना मानसिक तपिश से अकुला रही है। दूर, बहुत ऊंचे तारों की ओढ़नी का चमकीलापन समेटे आकाश की ओर देखती उनकी आंखें, उनके होंठ आज इस तरह मौन हैं, जिनमें शाम की उदासी का आभास होता है, परंतु मन में खौलता बवंडर अब शांत हो चला है। कामवाली बाई दूसरी बार चाय लाई। 'मेम साहब, चाय लीजिए। दूसरी बार लाई हूं।' उसके स्वर में बेचारगी स्पष्ट है। 'ना, काकी। चाय नहीं चाहिए। बड़ी तपिश लग रही है।'

एक हल्की दर्द भरी मुस्कान उनके होंठों पर उभरी। 'तो कुछ ठंडा बना दूं क्या?' उसने फिर पूछा। 'नहीं, रहने दो।' नौकरानी ने अचकचा कर उनकी ओर देखा। फिर मन ही मन कुछ बुदबुदाते हुए लौट गई। वे आज किस गहन चिंता में हैं, कोई नहीं समझ सका। समझे भी कौन? नौकरानी, रामू कौन है जो उनके व्यक्तित्व को पढ़ सके। हां, पास मेज पर पड़ा वह अधखुला पत्र उनकी समस्त चेतना को जकड़े हुए है। मिसेज खन्ना का हाथ अचानक अपने माथे पर जा टिका। हल्की सिकुड़न से भरा माथा और दो-चार चांदी से सफ़ेद बाल, जो सहसा ही अंगुलियों को छू गये। आज आंसू भी उमड़ते हैं तो जैसे बीच में ही कोई उन्हें मोती सा चुग लेता है। जीवन का एक-एक पृष्ठ खुलता है और पहलू बदलती वे मिसेज खन्ना, सुविधा की मां नहीं, आज बस मधु बन गई है। शून्यता और अकेलेपन से भरते मन को धीरे कांपते हाथों का स्पर्श देती उनकी आंखें फूट पड़ने को हो गईं, पर अपने को संयत करते हुए वे सोचने लगी हैं: अब तो सब कुछ समाप्त हो गया --। किसके लिए रोये? क्यों रोये? दर्द से भीगे ठंडे उच्छवास हवा में वाष्प बन कर उड़ने लगे.....सुविधा ने पत्र में लिखा है: 'मम्मी! बीते महीने से ही यथा समय मैं तुम्हें पत्र नहीं लिख सकी। बाईगाड, बहुत व्यस्त रही। वो जो हमारे साथ सूरज था न, इसी सप्ताह विदेश जा रहा है। हम दोनों काफी समय से लिव इन में थे। अच्छी तरह जानते हैं एक-दूसरे को! इतने बड़े महानगर में सहारे को कोई तो चाहिए था न- बस!! वैसे भी वह हमारे मेडिकल कॉलेज का हीरो है, ममा। उसकी जिद थी कि विदेश जाने से पहले हम शादी कर लें। इतनी जल्दी में हो भी क्या सकता था! हमने कोर्ट मैरिज कर ली है। मम्मी! डोंट माइंड प्लीज। छोड़ो इन झूठे रीति-रिवाजों को। हां, यदि तुम्हारी बड़ी इच्छा होगी तो उसके लौट आने पर फेरे भी लगवा लेना। क्यों ठीक है न ममा? कालेज बंद होगा और मैं शीघ्र ही घर के लिए चल दूंगी। सूरज को हमने सीआफ कर दिया है।'

मिसेज खन्ना के मन में पत्र की पंक्तियां पानी में डोलते दियों सी झिलमिलाती हैं और उनकी कांपती लौ में मन जैसे आगे कुछ पढ़ ही नहीं पाता ! उनकी बेटी ने विवाह कर लिया! सूचना भी भेज दी है!!! मन में दबी कुंठा उभर आई। क्यों नहीं!! उनके विगत जीवन के इतिहास को भी निर्ममता से कुरेद दिया है। बस एक पत्र ने-- मन अपने धुंधलाते से अतीत में भटक गया है... वे भी अपने मां-बाप की इकलौती संतान थी। दिनेश से जब उन्होंने विवाह किया था, तब उनकी परिस्थिति में इतना भर ही तो अंतर था कि मां-बाप ने दबी जुबान से सहमति दिखलाई : 'बेटा, तुम पढ़ी-लिखी हो, समझदार हो अपना अच्छा बुरा समझती हो। पर- 'पर क्या मां? मैं भी तो अपना भला सोच सकती हूं न!'

उसने अपनी आवाज़ दबने नहीं दी थी। यही आशंका तो आज उनके मन भी उठी! कहीं उसकी बेटी भी ठगी न जाए! दिनेश के परिवार ने उन्हें स्वीकार नहीं किया। इसे वे विषपान की तरह गले से नीचे उतार गई। कई तरह का अपमान सहने की प्रक्रिया में एक दिन उन्हें पता चला कि दिनेश पूर्व विवाहित है। अपनी सफाई में दिनेश ने बहुत कुछ कहा था। 'मधु, वह रिश्ता तो कहने भर को ही था। मन और शरीर तो उससे अबंधा और अछूता ही रहा--' 'इतना बड़ा अविश्वास! मुझे पहले क्यों नहीं बताया?' वह लगभग चीख पड़ी थी। वह चुप हो गया था और दोनों ने अपने रास्ते अलग-अलग कर लिए थे। तब सुविधा नन्हीं सी ही थी। मन की शून्यता के रहते उन्होंने सुविधा को अमिट दुलार देकर पाला-पोसा था। अपना सर्वस्व उन्होंने अपनी सुविधा पर ही केंद्रित कर दिया था। जीवन की हारी बाज़ी को मानो विजय में बदल डालना चाहती थी। दिनेश ने कई बार सुलह की कोशिश की, पर उस छलाव में वे दोबारा नहीं पड़ना चाहती थी। उनकी सुविधा बड़ी हो रही थी। कितनी रातें चिंताओं में कट जाती थीं। अपना क्या है, पर सुविधा को कोई दुःख न हो। अपनी बेटी में ही वह अपने आप को देखती थी-किंतु वे ठिठकीं : भूल कहां हो गई, वे समझ नहीं पा रही थीं। उन्होंने शायद अति आदर्श के पीछे ही तो नहीं अपने को खो दिया है, यानि इस बार फिर वो छली गई। मन का पोर-पोर जैसे व्यथा से भर उठा, किंतु अब वे बिखरेंगी तो फिर अपने को सहेज भी न सकेंगी। चेहरे पर विषाद फैलता जा रहा था। मन के कोने हल्के दर्द से पीड़ित होकर सिसकने लगे थे। जब सुविधा नन्हीं सी थी, तब कैसी बातें किया करती थी। और फिर उम्र के विकास के साथ-साथ वयस्क और गंभीर होती सुविधा -- यादें क्रमवार उमड़ने लगी थीं: कितनी संयत, कितनी धीर! कभी-कभी उसके गांभीर्य से वे घबरा उठतीं। वे चाहती थीं कि वह खूब चहके ताकि उनका रंगहीन जीवन मूकता की निस्पंदता से न सोया रहे। सुविधा की हंसी की खातिर वे बार-बार हंसती थीं और आज वही सुविधा -!! वह सोचते-सोचते क्षण भर को ठहरी! अपने भाग्य की विडंबना को याद कर मन तल्खी से भर उठा। कहीं सुविधा को भी उन लोगों ने न अपनाया तो! उस अभागिन के साथ तो उसकी बदनसीब मां का इतिहास भी है, पर सुविधा तो बड़े विश्वास से कहती है:' सूरज के पिता उसे बेटी की तरह दुलराते हैं।' सहसा बेटी का मोह भरा रूप, उसकी कोमल कामना जैसे उसके मन में भी झांक उठी और मन ममता से भीग उठा।

तभी घरघराती हुई मेट्रो ट्रेन से उनकी तंद्रा भंग हुई। उसने अपने आप को समेटा। वे झट से उठकर खड़ी हुई। अपने आपको व्यवस्थित किया। हरदम की तरह एक मुस्कान उनके होंठों पर खेल गई। उनके हाथ कुर्सी का हत्था छोड़कर आशीर्वाद देने की मुद्रा में हिले और मानो हर तरह से अपने को प्रस्तुत कर लिया था सुविधा के स्वागत के लिए। वातावरण में हल्की सी चांदनी फैल चुकी थी। झटके से उठने पर कुर्सी देर तक हिलती रही। बादलों का एक गुच्छा पश्चिम से उभरने लगा था, शायद बारिश भी हो। देर तक उसे देखते हुए वे अंदर की ओर बढ़ गई। कमरे में पहुंच कर उन्होंने आवाज लगाई: 'काकी, जरा एक कप चाय दे जाना।'

वे झट से उठकर खड़ी हुई। अपने आपको व्यवस्थित किया। हरदम की तरह एक मुस्कान उनके होंठों पर खेल गई। उनके हाथ कुर्सी का हत्था छोड़कर आशीर्वाद देने की मुद्रा में हिले और मानो हर तरह से अपने को प्रस्तुत कर लिया था

लघुकथा

इंतजार

मनहरी पिछले तीन दिन से खटिया पर पड़ी है। हाथ-पैर ऐंठने लगे हैं। उम्र नब्बे के पार होने को आई। परलोक गमन का समय आ पहुंचा था। पति तो कई वर्ष पहले ही भगवान को प्यारे हुए। एक बेटा और एक बेटी, बुढ़ापे का यही सहारा हैं। बेटा दिल्ली में सरकारी अफसर है। उसकी बहू भी वहीं किसी स्कूल में टीचर है। उन्हें मां का हाल-चाल जानने का वक्त ही कहां मिला, बुढ़ापे में कैसे वह चूल्हा जलाती है, कैसे रहती है और कैसे खाती-पीती है ?..हाँ, बेटी जरूर ससुराल से आती-जाती रही। मां का हाल जानने की चिंता और मां के प्रति उसकी सहानुभूति सदैव रही। दामाद भी उसके साथ दस-बीस रोज में आते-जाते रहे। घर में नाती-नातिन खूब धमा-चौकड़ी मचाते हैं। उनके कारण मनहरी का मन लगा रहता था। पति की यादें मनहरी के साथ हमेशा से रही। इस उम्र में उनकी यादों के सहारे वह जीती रही। जोड़-तोड़कर सब तो बेटे पर लगा दिया था। उसे पढ़ाया-लिखाया, नौकरी लगाया और दिल्ली में मकान भी बनवा दिया। कहता था- सब वहीं रहा करेंगे। लेकिन बाद में कहने लगा, शहर में बसेरा मुश्किल है, हमारा गुजर भी ठीक से नहीं हो पाता। उम्र बीत गई...अब किसी से क्या शिकवा-शिकायत, उसकी वो जाने?..गांव का घर भी तो खाली नहीं छोड़ा जा सकता था।



डॉ. सुरेश वशिष्ठ

शायद इसी से पिछले कुछ वर्षों में मनहरी को पति की बहुत याद आती रही। घर के निर्जन कोने में खटिया पर पड़ी वह उनका स्मरण करने लगती थी।...कितना प्रेम था उन्हें मनहरी से, खांसी भी आती तो बेचैन हो उठते। गांव के दवाघर से तुरन्त दवा लेने दौड़ पड़ते। घर के काम में भी हाथ बंटाते। अब इस उम्र में कैसे भी काम-धाम निबटा ही लेती। ललिता जब भी आती, झाड़-बुहारकर घर को साफ-सुथरा संवार देती। हर चीज को करीने से जगह पर रखती। मां के खाने-पीने, सेवा-सुश्रुषा का ध्यान रखती। दामाद भी जब तक रहते, किसी ना किसी काम को संवारने में ही लगे रहते। बुढ़ापे में जो पेंशन मिलती रही, उसी में गुजर होता रहा। छोटी नातिन से नानी को बहुत लाड है। वह नानी से खूब बातें करती और नानी की गोद में ही सिमटी रहती।

मनहरी का मन विभोर होने लगता। बेटा मनोज तो महीनों में घर आता था। घर आने पर हमेशा उसे वापस जाने की जल्दी लगी रहती थी। कभी अकेला तो कभी पत्नी को साथ लिए। पोते-पोती तो बहुत कम गांव में आते थे। उन्हें तो पढ़ाई से फुर्सत ही नहीं। दादी से मोह भी नहीं। पैदा भी दिल्ली में हुए और गांव में आना-जाना कम ही रहा। बहू हाल-चाल तो पड़ोसी के फोन पर भी जान लेती थी, लेकिन बुढ़ापे की प्रीत को वह कभी नहीं समझ पाई। मनहरी हमेशा उस प्रीत की जरूरत में कुढ़ती रही। ललिता मां के उलझे बालों को संवारती, पैरों में मालिश करती, कपड़े बदलती, नहलाती-धुलाती और सलीके से सब काम निबटा लेती। मनोज की बहू इन कामों से दूर ही रहती रही। मां की तबीयत को सुनकर बेटा और बहू आ तो गए, लेकिन उन्हें वापस जाने की बेचैनी बहुत थी। इंद्र काका मनहरी का हाल जानने दिन में कई बार आते। ललिता से सब पूछते और कुछ काम रहता तो करते भी।

ललिता तो खटिया से दूर जाती ही नहीं थी। बीच-बीच में आंसू बहाने लगती और मां की यादों में गुम रहती। बेटा उसे डांट देता, कहता - 'रोती क्यूं है, अब मां को तो जाना ही है। मां तो फिर भी नब्बे पार कर गई, लोग तो सत्तर-अस्सी भी नहीं पकड़ पाते। रो-धोकर हमारा भी मन मैला न कर! रोने का कोई मतलब नहीं।...हमें देख, ड्यूटी छोडकर यहां बैठे हैं। वहां जवान लड़की को पड़ोसियों के भरोसे छोड़कर आए हैं। वे हर दिन हमारी राह तकते हैं। अम्मा का भरोसा क्या, जाने को अभी चली जाएं, ना जाएं तो दस दिन बिता दें ! हम तो ऑफिस छोड़कर आ ही गए। इंतजार भी बहुत हुआ...सोचा था, अंतेष्ठी और तेरहवीं जल्दी निपटाकर लौट जाऊँगा लेकिन उनकी सांस है कि छूटती ही नहीं। राम भला करे...उम्र हो गई। आगे कष्ट ही बढेगा।' बेटी दर्द में तड़प उठती, कहती कुछ नहीं। मनहरी की सांसें अटकी ही रही। इंतजार कर बेटा-बहू लौट गए। ललिता वहीं रही। उसने मां की सेवा में दिन-रात एक कर दिया। आठवें दिन मनहरी ने आंखें खोली। बेटी खुश हुई। धीरे से उसने कहा-' भाई कहाँ है?' बेटी बोली- 'वह तो चला गया। कल तक यहीं था, भाभी भी यहीं थी।'

मनहरी की आंखों से आंसू टपक पड़े। धीरे से उसने कहा- 'गंगाजल डाल दे।' ललिता रोती हुई गंगाजल लेकर आई। माँ के मुख में कुछ बूंदें डाली और प्राण हवा हो गए। बेटी पहले तो कुछ समझ न सकी और फिर पछाड़ खाकर गिर पड़ी। इंद्र काका ने मनहरी की आंखों पर हाथ रखा और पलकें मूंद दी गई। नातिन भी रो-कर नानी की गोद में सिमट गई। दामाद दूर खड़ा आंसू बहाता रहा। इंद्र काका माथे पर हाथ रखकर बैठ गए। बेटे को इतला दे दी गई और उसका इंतजार होने लगा।

कवि कॉर्नर

कविता | सुधीर ढांडा कौल



दिल की बात

बचपन मे हम भी उड़ाते थे पतंग,
उड़ाते उड़ाते हो जाती थी रात ,
छत पर बैठे बैठे करते रहते थे
हम अपनी पतंग से दिल की बात।

दूसरों की पतंग काटने का हमे
बहुत चाव था,और काट ही लेते थे,
जब कट जाती थी पतंग हमारी
झट छत से कूदकर भाग लेते थे।

दूसरों की पतंग काटने पर खुशी ,
अपनी कटने पर दर्द होता था,
वो बचपन भी क्या खूब था,
कभी दिल हँसता, कभी रोता था।

जब कभी देखते हैं उड़ती हुई पतंग
तो बचपन याद आता है,
थमता नही ये वक्त, कटी पतंग की तरह
दूर निकल जाता है।

दूसरों की पतंग काटने में उस वक्त
'सुधीर, माहिर हुआ करता था,
उस वक्त मेरी पतंगबाजी का किस्सा जग
जाहिर हुआ करता था।

कविता | सपना



बचपन

वो माँ का प्यार,पापा की परवाह
वो दुलार बचपन का,बहुत याद आता है ।

जब कट्टी बट्टी से दोस्ती निभती थी
जब तकरार सिर्फ़ चुटकी भर की थी
वो रिश्ते बचपन के,बहुत याद आते हैं ।

वो हँसना बेवजह,रोना बेझिझक
वो रूठना मनाना दोस्तों का, बहुत याद आता है ।

जब घाव सिर्फ़ घुटने पर थे
जब जीत हार दो पल की थी
वो खेल बचपन के,बहुत याद आते हैं ।

वो घंटी स्कूल की, बस्ता और स्लेट
वो छुट्टियों में नानी का घर,बहुत याद आता है ।

जब सपनें नींद नहीं उड़ाते थे
जब हम सारी खुशियाँ ख़रीद लाते थे वो
सुकून नासमझ होने का,बहुत याद आता है ।

वो महल मिट्टी के,कश्ती काग़ज की
वो बारिशें बचपन की,बहुत याद आती हैं ।

जो गली पहचानती है आहट मेरी
जिस घर में गूँजती है आवाज मेरी
वो आसमाँ मेरे शहर का ,बहुत याद आता है ।

न कल की फ़िक्र,न आज का बोझ
वो पहला पन्ना जीवन का,बहुत याद आता है ।

कवि सम्मेलन का प्रतिभागिता सम्मान



व्यंग्य | कृष्ण गोपाल विद्यार्थी



कवि सम्मेलन का पंडाल अभी पूरी तरह खाली भी नहीं हुआ था, कुर्सियों पर चाय के खाली कुल्हड़ और समोसे के चिकने कागज़ हवा में उड़ ही रहे थे कि महाकवि 'व्यथित' जी ने मंच के कोने में जाकर अपनी जेब टटोली। कविता तो खैर उन्होंने ऐसी पढ़ी थी कि सामने बैठे कुल तेरह श्रोताओं में से सात नींद में चले गए थे, पांच अपने फोन पर रील्स देख रहे थे और एक आयोजक का साला था, जिसे हॉल की चाबी जमा करानी थी। किंतु महाकवि के चेहरे पर जो चमक थी, वह किसी ऑस्कर विजेता जैसी थी। हाथ में था सौ रुपये के लैमिनेशन में मढ़ा हुआ रंग-बिरंगा गत्ते का टुकड़ा, जिस पर सुनहरे अक्षरों में अंकित था-'काव्य-शिरोमणि प्रतिभागिता सम्मान'।

कवि सम्मेलन भले ही शाम सात से आठ चला हो, लेकिन असली काव्य-कर्म तो रात नौ बजे शुरू होना था। ऑटो में बैठते ही व्यथित जी ने सबसे पहले उस प्रमाण पत्र की ऐसी तस्वीर खींची, जिसमें उनके चेहरे की शिकन कम और आयोजक संस्था का नाम साफ़ दिखे। इसके बाद शुरू हुआ आधुनिक साहित्य का सबसे कठिन और अनिवार्य अनुष्ठान-'फेसबुकिया कृतज्ञता ज्ञापन'। कैप्शन गढ़ा गया, जिसमें विनम्रता की चाशनी में डूबा हुआ आत्म-प्रचार उफान मार रहा था:"आज 'अंतरराष्ट्रीय साहित्य संगम' गुप्ता जी के बेसमेंट में आयोजित विराट अखिल भारतीय काव्य निशा में देश के मूर्धन्य विद्वानों के सम्मुख अपनी तुच्छ रचनाएँ प्रस्तुत करने का पावन सुअवसर प्राप्त हुआ। अपार जनसमूह की तालियों की अनवरत गड़गड़ाहट और साहित्य-प्रेमियों के इस अगाध स्नेह से अभिभूत हूँ। इस अद्वितीय, ऐतिहासिक और अविस्मरणीय सम्मान हेतु अग्रज संयोजक श्री चुन्नीलाल जी का कोटिशः धन्यवाद एवं हार्दिक आभार! आपका यह ऋण जीवन भर नहीं चुका सकूँगा।" संयोजक चुन्नीलाल जी, जो हॉल का किराया बचाने के लिए बिजली का मेन स्विच पहले ही गिरा चुके थे, ने नोटिफिकेशन देखते ही तुरंत कमेंट दागा- "भाई व्यथित जी, आपकी कालजयी पंक्तियों ने आज पूरे ब्रह्मांड को हिला कर रख दिया। आप सरस्वती के वरदपुत्र हैं।" हकीकत यह थी कि उस हॉल में अगर कोई हिला था, तो वह पंखे का टूटा हुआ ब्लेड था, लेकिन साहित्य का यह अलिखित नियम है: 'तुम मेरी पीठ सहलाओ, मैं तुम्हारी जांघ पर तमगा टांगूँगा।' आधुनिक काव्य-जगत में अब कविता की उम्र उतनी ही रह गई है जितनी देर में प्रमाण पत्र की फोटो अपलोड होकर पचास 'लाइक' न बटोर ले। श्रोता भले ही नदारद हों, पंक्तियों में चाहे तुक का अकाल और भाव का सूखा पड़ा हो, मगर जब तक टाइमलाइन पर नीले फ्रेम वाला वह कागज नहीं चमकता, तब तक रचनाकार की आत्मा तृप्त नहीं होती। उस गत्ते के टुकड़े की कीमत यह है कि उसके लिए कवि अपनी कार का पेट्रोल फूंकता है, संयोजक के हर लतीफे पर ज़बरदस्ती अट्टहास करता है और फिर घर लौटकर दुनिया को यह विश्वास दिलाने में जुट जाता है कि कबीर और तुलसी के बाद अगर कोई बचा है, तो बस वही है- हाथ में प्रमाण पत्र थामे, कैमरे की ओर तिरछी मुस्कान फेंकता हुआ!

श्रोता भले ही नदारद हों, पंक्तियों में चाहे तुक का अकाल और भाव का सूखा पड़ा हो, मगर जब तक टाइमलाइन पर नीले फ्रेम वाला वह कागज नहीं चमकता, तब तक रचनाकार की आत्मा तृप्त नहीं होती।

कुछ हटकर

बीएएमएस : हेल्थकेयर सेक्टर में बनाएं मजबूत पहचान



डॉ. मोहित बंसल
करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर

हेल्थकेयर सेक्टर के विस्तार के साथ आयुर्वेद और ट्रेडिशनल सिस्टम्स ऑफ मेडिसिन में भी करियर के अवसर बढ़ रहे हैं। बीएएमएस ऐसा अंडरग्रेजुएट प्रोग्राम है, जिसमें आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति के साथ मॉडर्न मेडिकल साइंसेज की बेसिक नॉलेज भी दी जाती है। यह कोर्स क्लिनिकल प्रैक्टिस, रिसर्च, वेलनेस, फार्मास्यूटिकल्स और गवर्नमेंट सर्विसेज जैसे क्षेत्रों में करियर के रास्ते खोल सकता है।बीएएमएस में विद्यार्थियों को मानव शरीर की संरचना एवं कार्यप्रणाली, रोगों की पहचान, आयुर्वेदिक डायग्नोसिस और ट्रीटमेंट की जानकारी दी जाती है। प्रमुख विषयों में रचना शरीर, क्रिया शरीर, पदार्थ विज्ञान, द्रव्यगुण विज्ञान, रसशास्त्र एंड भैषज्य कल्पना, रोग निदान, कायचिकित्सा, शल्य तंत्र, शालाक्य तंत्र, प्रसूति एंड स्त्री रोग तथा कौमारभृत्य शामिल हैं। क्लिनिकल ट्रेनिंग और इंटर्नशिप भी कोर्स का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

प्रमुख विषय

बीएएमएस के बाद स्टूडेंट्स अपनी रुचि के अनुसार विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता विकसित कर सकते हैं। इनमें कायचिकित्सा, पंचकर्म, शल्य तंत्र, शालाक्य तंत्र, प्रसूति एवं स्त्री रोग, कौमारभृत्य, द्रव्यगुण तथा स्वस्थवृत्त एवं योग प्रमुख हैं। आज केवल डिग्री ही पर्याप्त नहीं है। बीएएमएस स्टूडेंट्स को कम्युनिकेशन, पेशेंट काउंसलिंग, डॉक्यूमेंटेशन, डिजिटल लिटरेसी, इंटरपर्सनल स्किल्स और रिसर्च स्किल्स पर भी ध्यान देना चाहिए। पेशेंट को सरल भाषा में ट्रीटमेंट समझाना और हेल्थकेयर टेक्नोलॉजी का बेसिक ज्ञान रखना प्रोफेशनल ग्रोथ में मदद कर सकता है।



प्रमुख करियर रोल्स

- आयुर्वेदिक फिजिशियन
- मेडिकल ऑफिसर
- क्लिनिकल कंसल्टेंट
- पंचकर्म कंसल्टेंट
- वेलनेस कंसल्टेंट
- रिसर्च एसोसिएट
- हेल्थकेयर मैनेजमेंट प्रोफेशनल

हायर स्टडीज के विकल्प

सबीएएमएस के बाद स्टूडेंट्स एमडी, एमएस पीजी डिप्लोमा, सर्टिफिकेट प्रोग्राम्स और पीएचडी जैसे हायर स्टडीज ऑप्शंस चुन सकते हैं। हेल्थकेयर मैनेजमेंट, पब्लिक हेल्थ, योग, न्यूट्रिशन और वेलनेस जैसे इंटरडिसिप्लिनरी क्षेत्रों में अतिरिक्त क्वालिफिकेशन भी उपयोगी हो सकती है।

एंटरप्रेन्योरशिप और सेल्फ-एम्प्लॉयमेंट

सरकारी बीएएमएस ग्रेजुएट्स अनुभव और आवश्यक नियमों का पालन करते हुए आयुर्वेदिक क्लीनिक, पंचकर्म सेंटर, वेलनेस सेंटर या हेल्थकेयर कंसल्टेंसी शुरू कर सकते हैं। आयुर्वेदिक मेडिसिन्स, हर्बल प्रोडक्ट्स और वेलनेस सर्विसेज से जुड़े बिजनेस भी संभावित विकल्प हैं।

- बीएएमएस के बाद इनकम

बीएएमएस के बाद इनकम क्वालिफिकेशन, एक्सपीरियंस, लोकेशन, जॉब प्रोफाइल, क्लिनिकल एक्सपर्टाइज और प्रैक्टिस मॉडल पर निर्भर करती है। गवर्नमेंट जॉब में पे स्ट्रक्चर संबंधित सरकारी नियमों के अनुसार होता है, जबकि प्राइवेट प्रैक्टिस और बिजनेस में इनकम पेशेंट बेस, सर्विसेज और बिजनेस स्केल से प्रभावित हो सकती है। बीएएमएस उन स्टूडेंट्स के लिए उपयोगी करियर विकल्प हो सकता है, जिनकी रुचि आयुर्वेद, हेल्थकेयर, पेशेंट केयर और वेलनेस में है।

मोटिवेशनल

सही समय का इंतज़ार नहीं, शुरुआत ज़रूरी



विपुल शर्मा
मोटिवेशनल स्पीकर

जीवन में आगे बढ़ने की इच्छा लगभग हर व्यक्ति के भीतर होती है। कोई प्रतियोगी परीक्षा में सफलता चाहता है, कोई व्यवसाय शुरू करना चाहता है, कोई किताब लिखना चाहता है, कोई नई भाषा सीखना चाहता है तो कोई अपने जीवन की दिशा बदलना चाहता है। सपने अलग हो सकते हैं, लेकिन उन्हें पूरा करने के रास्ते में एक समान बाधा अक्सर दिखाई देती है, सही समय का इंतज़ार।हम अक्सर खुद से कहते हैं कि जब परिस्थितियां बेहतर होंगी, समय अधिक मिलेगा, आर्थिक स्थिति सुधरेगी, आत्मविश्वास बढ़ेगा या परिवार और समाज का पूरा सहयोग मिलेगा, तब शुरुआत करेंगे। लेकिन जीवन का अनुभव बताता है कि आदर्श परिस्थितियां हमेशा इंतज़ार नहीं करतीं। कई बार परिस्थितियां शुरुआत के बाद ही बदलती हैं।दरअसल, शुरुआत शायद ही कभी पूरी तैयारी के साथ होती है। जो विद्यार्थी पहली बार मंच पर खड़ा होता है, वह अनुभवी वक्ता नहीं होता। जो युवा पहली बार प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी शुरू करता है, उसके पास शुरुआत में पूरी रणनीति नहीं होती। जो व्यक्ति पहली बार लेख लिखता है, उसकी भाषा में पूर्णता नहीं होती। लेकिन हर विशेषज्ञ कभी न कभी शुरुआती व्यक्ति रहा है।पहला कदम छोटा हो सकता है, लेकिन उसका महत्व छोटा नहीं होता।अक्सर लक्ष्य की दूरी हमें पहला कदम उठाने से रोकती है। हम यह भूल जाते हैं कि लंबी यात्राएं भी छोटे-छोटे कदमों से ही पूरी होती हैं। प्रतिदिन केवल एक घंटा किसी नई चीज को सीखने में लगाना शायद एक दिन में कोई बड़ा परिवर्तन न दिखाए, लेकिन छह महीने या एक वर्ष की निरंतरता उसी एक घंटे को एक बड़ी उपलब्धि में बदल सकती है।समस्या हमेशा समय या संसाधनों की कमी नहीं होती। कई बार समस्या उपलब्ध संसाधनों का इस्तेमाल शुरू न करना होती है।आज सीखने के साधन पहले से कहीं अधिक उपलब्ध हैं। "कल से शुरू करूंगा" जीवन के सबसे महंगे वाक्यों में से एक हो सकता है।क्योंकि कल आता है तो आज बन जाता है और फिर वही आज अगले कल में बदल जाता है।इस चक्र को तोड़ने का एक ही तरीका है, बड़े लक्ष्य को छोटे काम में बदल देना। किताब लिखनी है तो पहला पृष्ठ लिखिए। परीक्षा की तैयारी करनी है तो पहला अध्याय पढ़िए। स्वास्थ्य बेहतर करना है तो आज कुछ कदम अधिक चलिए।

ग़ज़ल

बहुत पहले से उन क़दमों की चोट जान लेते हैं

बहुत पहले से उन क़दमों की चोट जान लेते हैं
तुझे ऐ जिंदगी हम दूर से पहचान लेते हैं

मिरी नजरें भी ऐसे कातिलों का जान ओ ईमान है
निगाहें मिलती ही जो जान और ईमान लेते हैं

जिसे कहती है दुनिया कामयाबी वाए नादानी
उसे किन कीमतों पर कामयाब इनसान लेते हैं

निगाह-ए-बादा-गुन यूं तो तीरी बातों का क्या कहना
तीरी हर बात लेकिन एहतियातन छान लेते हैं

तबीयत अपनी घबराती है जब सुनसान रातों में
हम ऐसे में तेरी यादों की चादर तान लेते हैं

खुद अपना फैसला भी इश्क में काफी नहीं होता
उसे भी कैसे कर गुजरें जो दिल में ठान लेते हैं

हयात-ए-इश्क का इक इक नफस जाम-ए-शहादत है
वो जान-ए-नाज-बरदारन कोई आसान लेते हैं

तुझे घाटा न होने देंगे कारोबार-ए-उल्फत में
हम अपने सार तीरा ऐ दोस्त हर एहसान लेते हैं

'फ़िराक़' अक्सर बदल कर भेस मिलता है कोई काफ़िर
कभी हम जान लेते हैं कभी पहचान लेते हैं



फ़िराक़ गोरखपुरी
शायर

खबर संक्षेप

मोक्ष प्राप्ति का साधन है श्रीमद् भागवत कथा

उकलाना। गीता भवन में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के अंतिम दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। कथा के दौरान परमहंस साध्वी आनंद ज्योति महाराज के उत्तराधिकारी एवं शिष्य डॉ. परमानंद महाराज, प्रख्यान वाचस्पति ने श्रद्धालुओं को श्रीमद् भागवत कथा के आध्यात्मिक महत्व से अवगत करवाया। डॉ. परमानंद महाराज ने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा मोक्ष प्राप्ति का साधन है। भागवत कथा का श्रवण मनुष्य को आध्यात्मिक शांति प्रदान करता है।

तेरापंथ युवक परिषद ने लगाया रक्तदान शिविर

हिसार। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद (एबीटीवाईपी) के तत्वावधान में चलाए जा रहे मेगा ब्लड डोनेशन ड्राइव के अंतर्गत तेरापंथ युवक परिषद द्वारा मंगलम ब्लड सेंटर में रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ नवकार महामंत्र के संगान के साथ हुआ। परिषद के अध्यक्ष रजत जैन एवं सचिव गुणसागर जैन ने बताया कि रक्तदान करने वाले प्रत्येक निस्वार्थ एवं उत्साही रक्तदाता को परिषद की ओर से पौष्टिक रिफ्रेशमेंट, विशेष स्मृति उपहार एवं आधिकारिक प्रशंसा पत्र प्रदान कर सम्मानित व प्रोत्साहित किया गया।

अग्रसेन भवन में दसवें संत समागम एवं सत्संग समारोह में उमड़े श्रद्धालु

मानव जीवन में जप व तप का बड़ा महत्व : साध्वी करुणागिरी

हिसार में बाबा जोध सचियार का स्थान बनाने के लिए समिति ने सरकार से मांगी जमीन

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार





हिसार। श्रद्धालुओं को प्रवचन देतीं साध्वी करुणागिरी महाराज। व विधायकों को सम्मानित करते समिति के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

बाबा जोध सचियार सेवा समिति के तत्वाधान में अग्रसेन भवन में दसवां महान संत समागम एंव सत्संग समारोह आयोजित किया गया। हजारों लोगों ने गुरुघर में माथा टेका। समिति के प्रधान दयानंद भ्याना ने बताया कि समारोह की शुरुआत सुखमणि साहिब के पाठ से की गई। हांसी के विधायक व डेरा बाबा जोध सचियार सेवा समिति, पानीपत के प्रधान विनोद भ्याना व विधायक सावित्री जिंदल ने संत समागम में अतिथि के रुप में भाग लिया। हिसार के अलावा प्रदेश भर से आये लोगों को बालयोगिनी महामंडलेश्वर संत शिरोमणि साध्वी करुणागिरी महाराज, हरिद्वार वाले के अलावा भाई सतनाम सिंह आसनकलां वाले, भाई लवप्रीत सिंह सिरसा वाले, बीबी सरोज कौर खुराना दिल्ली, भाई अरूण गंगानगर वाले, डॉ. मोहन तनेजा हिसार वाले ने सत्संग व कीर्तन द्वारा संगत को निहाल किया। कीर्तन के दौरान गाये गये भजनों में अगर तेरे दर पे सुनाई न होती..., तुम करो दया मेरे साईं..., जो सुख चाहे तू सदा शरण राम की ले..., जे तू ना फड़दा साड़ी बांह असां रुल जाना सी... आदि शामिल रहे। समारोह के दौरान सतनाम वाहेगुरु, जो बोले सो निहाल.. ससरियाकाल, वाहेगुरु जी का खालसा वाहेगुरु की फतेह के जयकारे लगते रहे। साध्वी करुणागिरी महाराज ने श्रद्धालुओं को प्रवचन देते हुए कहा कि सत्संग के क्षण न जाने कितने जन्मों के पुण्य करने के बाद मिलते हैं। भाग्यशाली हैं वे जीव जिन्हें भगवान की शरण में बैठकर उनका गुणगान करने का मौका मिलता है। पितृ पक्ष चल रहा है, ऐसे में सत्संग करके भगवान का नाम लेना, दोगुणा लाभ प्रदान करता है। भगवान को जितना समय दोगे, भगवान उससे भी बढक़र आपके अंग-संग रहेंगे। जीवन में जप और तप का बड़ा महत्व है। नाम जपने से बड़े से बड़ा कष्ट भी दूर हो जाता है और तप करने से अपना जीवन संवरता है। संत समागम एवं कीर्तन दरबार के साथ-साथ अटूट लंगर भी चलाया गया। बाबा जोध सचियार सेवा समिति ने दोनों विधायकों के समक्ष हिसार में बाबा जोध सचियार के लिए भव्य स्थान बनाने के लिये सरकार से जमीन दिलवाने की मांग की। इस पर विधायक विनोद भ्याना ने अपने संबोधन में कहा कि वे तथा विधायक सावित्री जिंदल मुख्यमंत्री नायबसिंह सैनी से मिलेंगे तथा जमीन की मांग करेंगे।

इन की रही मौजूगी

इस अवसर पर समिति के वरिष्ठ उपप्रधान कश्मीर भ्याना, महासचिव भूपेन्द्र भ्याना, उपप्रधान राजेन्द्र ग्रोवर, कोषाध्यक्ष राम धमीजा, नरेन्द्र भ्याणा, महेन्द्र भ्याना, रविन्द्र उर्फ बब्बल खुराना, रामजीदास चांदना, विनोद भयाणा के अलावा समाजसेवी जगदीश जिंदल, पार्षद जगमोहन मित्तल, पार्षद राजेश अरोड़ा, ललित शर्मा, सुरेश सरदाना, ब्रह्म नागपाल, किशनलाल बागड़ी, इन्द्र शर्मा, सुभाष कुकड़ेजा, भाई चरणजीत, सुभाष कुकड़ेजा, सुभाष ढींगड़ा, सुरेन्द्र धमीजा, महेश चौधरी, अमित धमीजा आदि भी उपस्थित रहे।

ज्ञान-विज्ञान की नई उड़ान



हिसार। इसरो केंद्र का भ्रमण करते विद्यार्थी व अन्य। फोटो : हरिभूमि

इसरो हैदराबाद दौरे से लौटे हरियाणा के 48 विद्यार्थी

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद, पंचकूला की ओर से विज्ञान विषय में विद्यार्थियों की रुचि बढ़ाने और उन्हें वैज्ञानिक गतिविधियों से प्रत्यक्ष रूप से जोड़ने के उद्देश्य से आयोजित पांच दिवसीय एक्सपोजर विजिट के तहत प्रदेश के 48 मेधावी विद्यार्थियों ने हैदराबाद स्थित इसरो केंद्र का भ्रमण किया। हैदराबाद प्रवास के दौरान विद्यार्थियों ने शैक्षणिक भ्रमण के साथ-साथ शहर के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक स्थलों का भी दौरा किया। विद्यार्थियों ने चारमीनार, मक्का मस्जिद, सालार जंग म्यूजियम, लुंबिनी पार्क, वेंकटेश्वर मंदिर, श्री जगन्नाथ मंदिर, केबल ब्रिज, हुसैन सागर झील, डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा और एनटीआर गार्डन का भ्रमण किया।

ऐसे दौरे करते हैं प्रेरित

सहायक परियोजना संयोजक सुधीर कुमार के अनुसार ऐसे भ्रमण विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति रुचि पैदा करने के साथ-साथ उन्हें भविष्य में वैज्ञानिक एवं तकनीकी क्षेत्रों में करियर बनाने के लिए प्रेरित करते हैं। हैदराबाद पहुंचने पर विद्यार्थियों ने इसरो केंद्र का भ्रमण किया और अंतरिक्ष विज्ञान, उपग्रह तकनीक तथा भारत की अंतरिक्ष क्षेत्र में उपलब्धियों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी हासिल की।

जिला हिसार से राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय खानपुर की छात्राएं नेहा और प्रिया भी इस दल का हिस्सा रहीं। इसरो का भ्रमण उनके लिए बेहद ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहा। इस दौरान उन्हें अंतरिक्ष विज्ञान को नजदीक से समझने का अवसर मिला और विज्ञान के क्षेत्र में करियर बनाने के प्रति उनका उत्साह बढ़ा।

'हमारा प्यार हिसार' ने कैमरी रोड पर पेंटिंग और सफाई अभियान चलाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हमारा प्यार हिसार टीम ने रविवार को कैमरी रोड स्थित ग्रीन बेल्ट की एक बदरंग दीवार पर काम शुरू किया। टीम के सदस्यों ने दीवार पर टेराकोटा पेंटिंग के माध्यम से आकर्षक और सुंदर रूप प्रदान किया। अभियान में इंडो-तिब्बतन बॉर्डर पुलिस के सेवानिवृत्त इंस्पेक्टर जनरल ईश्वर दूहन ने भी सहभागिता की। पार्षद राजेश अरोड़ा ने पूरे उत्साह के साथ सहयोग दिया तथा नगर निगम की टीम द्वारा दीवार के आसपास व्यापक सफाई अभियान चलवाया। इस क्षेत्र में पेंटिंग और स्वच्छता अभियान आगे भी जारी रहेगा। अभियान में सुशील खरींटा, डॉ. सुरेंद्र गर्ग, डॉ. राज वर्मा, डॉ मंगलसेन मलिक, अदेश मलिक, डॉ बीबी बाँगा, जितेंद्र बंसल, ममता छाबड़ा, राजन वर्मा, दिनेश बंसल, राजवीर दूहन, अनिल कुमार, विक्रम मित्तल, अमित गर्ग, ममता भाटी, ईशा बिष्ट, राहुल दूहन, पूर्वी बंसल, भाविका, हार्दिक, तन्वी, सैफी, कैफी, सायरा व भाव्या ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।



हिसार। अभियान में हिस्सा लेते बच्चे। फोटो : हरिभूमि

श्यामसुख गांव में स्वच्छता की ली शपथ



हिसार। स्वच्छता की शपथ लेते ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

श्यामसुख गांव में स्थित संत गुरु रविदास लाइब्रेरी में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में दोनों महापुरुषों को श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता सरपंच अनुराधा ने की। इस दौरान महात्मा गांधी के स्वच्छता संदेश को आगे बढ़ाते हुए शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों, आंगनबाड़ी वर्करों, लाइब्रेरी कमेटी सदस्यों और विद्यार्थियों ने देश को स्वच्छ और स्वस्थ बनाने की सामूहिक शपथ ली। इस मौके पर ग्राम पंचायत सेक्रेटरी सुरेंद्र सिंह, ब्लॉक ऑफिसर राधे श्याम, सरपंच प्रतिनिधि मा. कृष्णा सांखला, प्रवीण शर्मा, प्रियंका, सुमन, किरण सहित लाइब्रेरी के विद्यार्थी व ग्रामीण उपस्थित रहे।

न्यूज डायरी



अग्रोहा शक्तिपीठ पर 11 को मनेगी अग्रसेन जयंती

हिसार। महाराजा अग्रसेन की 5180वीं जयंती के अवसर पर 11 अक्टूबर को अग्रोहा शक्तिपीठ में भव्य एवं धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में दिल्ली की प्रसिद्ध भजन गायिका प्रिन्सी गोयल, ताली कीर्तन समिति भट्ठ तथा रितु बिश्नोई द्वारा भजन एवं कीर्तन प्रस्तुत किए जाएंगे। तैयारियों पर चर्चा को हुई बैठक में अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष विपिन गोयल, प्रदेश चेयरमैन विश्वनाथ गोयल, फतेहाबाद जिला अध्यक्ष राजेश गर्ग, हिसार जिला अध्यक्ष दीनदयाल गोरखपुरिया, प्रदेश महामंत्री बृजभूषण जैन, सोमदत्त गोयल, अजय मित्तल, आशीष गर्ग, मुकेश बंसल, सज्जन शर्मा, मदन मित्तल एवं विकास मित्तल आदि उपस्थित रहे।



गुरु जंभेश्वर विवि को मिला प्रशंसा पत्र

हिसार। गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय को 'संचार मित्र योजना' के तत्वावधान में बढ़ते साइबर अपराधों के प्रति सचेत करने और डिजिटल सुरक्षा के उपायों के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने में विशेष योगदान के लिए टेलीकम्युनिकेशन विभाग, एलएसए, अंबाला, हरियाणा द्वारा प्रशंसा पत्र दिया गया। गुजवि के कुलपति प्रो. विजय कुमार ने डिपार्टमेंट ऑफ टेलीकम्युनिकेशन गवर्नमेंट ऑफ हरियाणा के एडिशनल डायरेक्टर जनरल द्वारा जारी प्रशंसा पत्र संचार मित्र योजना के नोडल समन्वयक डॉ. महावीर प्रसाद को दिया। इस अवसर पर प्रो नीरज दिलबागी, प्रो मुकेश शर्मा, प्रो ओमप्रकाश सांगवान व डॉ जयभगवान उपस्थित रहे।



बीड़ बबरान धाम के कीर्तन में झूमे श्रद्धालु

हिसार। बीड़ बबरान धाम द्वारा हिसार की नई अनाज मंडी में निशुल्क ताली कीर्तन का आयोजन धूमधाम से किया गया। इस दौरान श्याम बाबा के दरबार को सजाकर भव्य स्वरूप दिया गया और बीड़ बबरान धाम से लाई गई अखंड ज्योति को शोभायमान किया गया। पुष्पों, लडियों व लाइट्स से सुसज्जित श्याम बाबा के दरबार को देखकर श्रद्धालुगण भावविभोर हो गए और अनायास ही दरबार में नतमस्त हो गए। इस दौरान अखंड ज्योति के दर्शन करके भी भक्तगण अभिभूत हो गए। ताली कीर्तन में भजन गायकों ने ढोल व हारमोनियम की संगत के साथ भजन गाकर समां बांध दिया। इस दौरान भजनों के माध्यम से श्याम बाबा की महिमा सुनकर श्रद्धालु झूमने लगे। इस अवसर पर विनय शर्मा ने बताया कि श्रद्धालुओं को प्रभु भक्ति से जोडऩे के लिए बीड़ बबरान धाम द्वारा निशुल्क ताली कीर्तन किया जाता है। कोई भी श्रद्धालु अपने स्थान पर निशुल्क ताली कीर्तन करवा सकता है। इसके लिए समय सारिणी के अनुसार बीड़ बबरान धाम से संपर्क किया जा सकता है।

मन की स्वच्छता जरूरी: महात्मा गौरा बाई

हिसार। मानव उत्थान सेवा समिति की कैमरी रोड स्थित इकाई के तत्वावधान में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के उपलक्ष्य में स्वच्छता अभियान चलाया गया। शाखा प्रभारी महात्मा गौरा बाई के दिशा-निर्देशन में आयोजित इस अभियान की शुरुआत कैमरी रोड से की गई। संस्था की ओर से बताया गया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस बार भी देशभर में संस्था के विभिन्न केंद्रों एवं आश्रमों द्वारा 1 अक्टूबर से 10 अक्टूबर तक स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य स्वच्छता के साथ-साथ सेवा और जागरूकता का संदेश जन-जन तक पहुंचाना है। नगर निगम पार्षद राजेंद्र बिडलान व उनकी पूरी टीम की इस कार्यक्रम में अहम भूमिका रही। शाखा प्रभारी महात्मा गौरा बाई ने हरी झंडी दिखाकर स्वच्छता अभियान की शुरूआत की। उन्होंने कहा कि स्वस्थ रहने के लिए बाहरी स्वच्छता अत्यंत आवश्यक है, लेकिन सामाजिक, नैतिक, चारित्रिक और आत्मिक उत्थान के लिए मन की स्वच्छता भी उतना ही जरूरी है।

पूजा पूनिया ने 100 मीटर दौड़ में जीता कांस्य पदक

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

कुरुक्षेत्र द्रोणाचार्य स्टेडियम में आयोजित 39वीं हरियाणा स्टेट जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप 100 मीटर दौड़ में लाडवा निवासी पूजा पूनिया ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक हासिल किया है पूजा पूनिया ने अपनीब सफलता का श्रेय कोच सुरेन्द्र जलंधरा को दिया। पूजा के दादा मास्टर सतबीर पूनिया ने बताया कि पूजा हर रोज सुबह सायं महावीर स्टेडियम में अभ्यास करती हैं व पहले भी राज्य स्तर पर पदक हासिल कर चुकी हैं। पूजा के पिता कुलदीप पूनिया पूर्व क्रिकेटर खिलाड़ी रहे है। भाई समीर पूनिया भी क्रिकेट के खिलाड़ी हैं। पूजा पूनिया का लक्ष्य ओलंपिक में भारत को गोल्ड मेडल दिलाना है। इस उपलब्धि पर सरपंच रामफल पूनिया, जिला पार्षद जसबीर व ग्रामीणों ने बधाई दी।



हिसार। विजेताओं को सम्मानित करते अतिथि।

हिसार व हांसी के खिलाड़ियों ने दिखाया कौशल

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

योगासन खेल संघ के तत्वावधान में डीएन कॉलेज में आयोजित दो दिवसीय छठी जिला योगासन खेल प्रतियोगिता का रविवार को समापन हुआ। दो दिवसीय इस प्रतियोगिता में हिसार एवं हांसी क्षेत्र के विभिन्न आयु वर्गों के प्रतिभागियों ने संतुलन, लचीलेपन और एकाग्रता का शानदार प्रदर्शन किया। समापन अवसर पर हिसार मंडल की मंडलायुक्त गीता भारती, जेलियो ई-मोबिलिटी के अध्यक्ष नीरज आर्य, अरुण लता आर्य, ईश्वर सिंह दूहन तथा राम चावला ने मुख्य अतिथियों के रूप में शिरकत कर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। डीएन कॉलेज के कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. विवेक श्रीवास्तव सिंह ने स्वागताध्यक्ष के रूप में सभी अतिथियों का स्वागत किया। उद्यमी नीरज आर्य ने कहा कि मेहनत के बल पर हिसार के खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जिले का नाम रोशन कर सकते हैं। विजेता खिलाड़ियों को दी बधाई इंडियन योग एसोसिएशन (हरियाणा) के अध्यक्ष ईश आर्य, योगासन खेल संघ (हिसार) के अध्यक्ष अजय एलावादी, मीडिया निदेशक सुरेन्द्र पानू हिन्दुस्तानी तथा सचिव अनुज कौशिक ने खिलाड़ियों को बधाई दी। उड़ान योग केंद्र के प्रशिक्षक नरेन्द्र कुमार ने अपने वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल किया, जबकि आयुष बेरवाल और गोपेश शर्मा की जोड़ी ने सब-जूनियर कलात्मक युगल वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। इस अवसर पर बसंत कुमार, डॉ. मुकेश कुमार, वीरेन्द्र बड़ाला (मंच संचालक), नरेन्द्र सिंगल, जोगेन्द्र दलाल, महेन्द्र मलिक, देवकी नन्दन, विनय मल्होत्रा, संजीव शर्मा, जी. सी. नारंग, कन्हैयालाल, मधु वर्मा, कविता शर्मा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति, प्रशिक्षक व अभिभावक उपस्थित रहे।



प्रतियोगिता के परिणाम

सब-जूनियर वर्ग में अर्शिया डूडी ने प्रथम, आयाना देवी ने द्वितीय तथा कल्पना ने तृतीय, जूनियर वर्ग में काश्वी ने प्रथम, प्रविद्ध ने द्वितीय व हिमांशी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सीनियर वर्ग में प्रीति प्रथम, रीता देवी द्वितीय व खुशी तृतीत, सीनियर-ए वर्ग में मोनिका प्रथम, कविता द्वितीय व रेनू तृतीय, सीनियर-बी वर्ग में सुमन देवी प्रथम व रुकेश द्वितीय, सीनियर वर्ग सी में रेखा गौतम प्रथम नितिका द्वितीय व रिंकू रानी तृतीय स्थान पर रही।

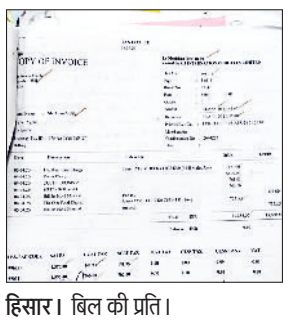
विवाद चंद हजार के होटल बिलों पर चला प्रशासनिक चाबुक

बिना फीस आए पद्मश्री कलाकारों का अपमान

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय इस समय अपनी अकादमिक उपलब्धियों के कारण नहीं, बल्कि आपसी खींचतान और तुगलकी फरमानों के कारण चौतरफा चर्चा में है। अप्रैल में आयोजित हुए राष्ट्रीय स्तर के साहित्य व सांस्कृतिक महाकुंभ 'अक्षरम' को अपनी मेहनत से सींचने वाले अध्यापकों, कर्मचारियों और देशभर से आए राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त अतिथियों को अब विश्वविद्यालय के नए प्रशासनिक तंत्र के उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है।

पूर्व कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई की विदाई के बाद शुरू हुई 'पूर्व बनाम वर्तमान' के वर्चस्व की जंग में न केवल विश्वविद्यालय की साख, बल्कि पड़ोसी प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ उसके संबंध भी दांव पर लग गए हैं। लाखों की फीस छोड़ने वाली पद्मश्री हस्तियों व कलाकारों का अपमान कहानी का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि जिन पद्म श्री से सम्मानित देश की शीर्ष हस्तियों और राष्ट्रीय स्तर के सांस्कृतिक समूहों ने विश्वविद्यालय के सम्मान में लाखों रुपये की अपनी व्यावसायिक फीस माफ कर दी थी, आज उनके रहने, खाने और लॉजिस्टिक्स के मामूली बिलों पर रोक लगा दी गई है।



हिसार। बिल की प्रति।

गंभीर सवाल उठाए

विश्वविद्यालय के प्रबुद्ध वर्ग और नियमावली के जानकारों ने कार्यवाहक कुलसचिव डॉ. विजय कुमार की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। कार्यवाहक कुलसचिव, जिनकी नियुक्ति केवल 'टिल फर्दर ऑर्डर्स' के तहत दैनिक कामकाज संभालने के लिए हुई है, वे पूर्व स्वीकृत और नियमानुसार आयोजित कार्यक्रमों के वित्तीय भुगतानों को रोकने जैसे नीतिगत मामलों में वीटो पावर का इस्तेमाल कैसे कर सकते हैं?

हकृवि का 80 हजार का बकाया अटका

प्रशासनिक हठधर्मिता का दायरा सिर्फ निजी होटलों तक सीमित नहीं रहा है, बल्कि पड़ोसी हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गेस्ट हाउस में ठहराए गए अतिथियों का भी 80,000 रुपये का बकाया भुगतान रोक दिया गया है। सूत्रों के मुताबिक, 12 सितंबर को महामहिम राज्यपाल के दौरे के बाद जारी सामान्य दिशा-निर्देशों की अति-उत्साही और भ्रामक व्याख्या करके अकाउंट्स व ऑडिट विभाग को मौखिक आदेश जारी किए गए हैं। इसके तहत 'अक्षरम' से जुड़ा कोई भी बिल पास न किया जाए। ऑडिट विभाग किसी भी सूरत में होटल या रहने का बिल 5,000 रुपये प्रति व्यक्ति से अधिक पास न करे।

ध्यान स्वयं के भीतर झांकने का माध्यम : स्वामी संजय



हिसार। ओशो ध्यान उपवन में आयोजित मेडिटेशन सत्र में हिस्सा लेते साधक।

हिसार। मेडिटेशन के महत्व और उसकी उपयोगिता पर आधारित ध्यान सत्र का आयोजन ओशो ध्यान उपवन में किया गया। इस मेडिटेशन सत्र में विभिन्न क्षेत्रों से साधकों ने बढ़-चढक़र हिस्सा लिया और ध्यान की विभिन्न विधियों का अभ्यास किया। मेडिटेशन सत्र के आयोजक स्वामी संजय व मां सांची ने साधकों को ध्यान की विधियों की जानकारी प्रदान करते हुए उन्हें अपनी दिनचर्या में अपनाने के लिए प्रेरित किया। स्वामी संजय ने कहा कि ध्यान केवल कुछ समय आंखें बंद करके बैठने की प्रक्रिया नहीं बल्कि स्वयं के भीतर झांकने और अपने विचारों, भावनाओं तथा मन की गतिविधियों को समझने का माध्यम है। ध्यान के नियमित अभ्यास से इंसान अपने भीतर अधिक सजगता और जागरूकता विकसित कर सकता है। ध्यान सत्र के दौरान सतगुरु ओशो की देशनाओं से भी रूबरू करवाया गया।

खबर संक्षेप

लड़ाई-झगड़े के मामले में घोषित पीओ काबू

हिसार। 12 क्वार्टर पुलिस चौकी की टीम ने वर्ष 2019 के लड़ाई-झगड़े के मामले में अदालत से पीओ घोषित आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान आशीष उर्फ जमल निवासी हिसार के रूप में की है। आरोपी वर्ष 2019 में दर्ज लड़ाई-झगड़े के मामले में अदालत की कार्रवाई से बच रहा था, जिसके चलते अदालत द्वारा उसे पीओ घोषित किया गया था। आरोपी को पुलिस टीम ने काबू कर नियमानुसार गिरफ्तार किया। पुलिस जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपी पुराना हिस्ट्रीशीटर है व उसके रिकॉर्ड की भी जांच की जा रही है।

आंबेडकर कम्युनिटी सेंटर बनाने की मांग

हिसार। ग्राम पंचायत बालसमंद ने गांव में डॉ. बी.आर. आंबेडकर कम्युनिटी सेंटर के निर्माण की मांग को लेकर हरियाणा सरकार के पंचायत मंत्री कृष्णलाल पंवार को मांगपत्र सौंपा। पंचायत ने कम्युनिटी सेंटर के निर्माण के लिए सरकार से अनुदान राशि जारी करने का अनुरोध किया है। सरपंच प्रतिनिधि रणबीर सिंह लोरा की ओर से दिए गए मांगपत्र में बताया गया कि बालसमंद गांव की आबादी लगभग 16 हजार है। गांव में विवाह समारोह एवं अन्य सामाजिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए पर्याप्त क्षमता वाला सामुदायिक भवन उपलब्ध नहीं है। आसपास के गांवों के लोगों को भी ऐसे आयोजनों के लिए सामुदायिक भवन की आवश्यकता रहती है। पंचायत ने कहा कि कम्युनिटी सेंटर के निर्माण के लिए ग्राम पंचायत जमीन उपलब्ध करवाने के लिए तैयार है।

'आंगन मिलन सेवा' में किया जागरूक

नारनौंद। सेवा संकल्प अभियान के तहत आंगनवाड़ी वर्कर की तरफ से आंगन मिलन सेवा का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भाजपा महिला जिला अध्यक्ष नीलम जांगड़ा, सुपरवाइजर गरिमा शर्मा, सुनीता दुहन मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत कर महिलाओं को जागरूक किया। इस अवसर पर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की भी शपथ दिलवाई गई। इसमें महिलाओं द्वारा अलग-अलग प्रकार के व्यंजन बनाए गए। सुपरवाइजर गरिमा शर्मा द्वारा गर्भवती महिला एवं दूध पिलाने वाली माताओं को विभिन्न पोषक तत्वों के बारे में बताया गया। इस अवसर पर कमला, सुमन, रोशन, रानी, सुनीता, माया,शांति,राजबाला, कमलेश,सीमा, जगवंती आदि थी।

मोर कंवीनर व बामल बने रिटायर्ड कर्मचारी संघ सचिव

हांसी। रिटायर्ड कर्मचारी संघ हरियाणा के ब्लॉक हांसी की ओर से महाग्राम बास में बास ब्लॉक की कार्यवाहक कमेटी का गठन किया गया। बास ब्लॉक की कार्यवाहक कमेटी में धर्मवीर मोर को कन्वीनर, कपूर सिंह बामल को सचिव, जय नारायण बडाला को कैशियर तथा रामकुमार पान्नू, रोशन लाल और कर्मवीर फौजी को सलाहकार नियुक्त किया गया। एक माह बाद पूर्ण कार्यकारिणी का चुनाव कराया जाएगा। कार्यक्रम में रिटायर्ड कर्मचारी संघ जिला हिसार के ऑडिटर रोहतास शर्मा, ब्लॉक हांसी प्रधान तुलसीराम शर्मा, ब्लॉक नारनौंद प्रधान मास्टर रामस्वरूप और सर्व कर्मचारी संघ ब्लॉक हांसी के सचिव सोमवीर मोर पर्यवेक्षक के रूप में मौजूद रहे।

सीटू के आह्वान पर परियोजना कर्मियों ने प्रदर्शन कर विधायकों को सौंपा ज्ञापन

42 हजार रुपये न्यूनतम मासिक वेतन व कर्मचारी का दर्जा मांगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

मिड डे मील, आशा एवं आंगनबाड़ी कर्मियों समेत सभी परियोजना कर्मियों को कर्मचारी का दर्जा देने, परियोजनाओं के बजट में बढ़ोतरी करने और 42,000 रुपये न्यूनतम वेतन घोषित करने की मांगों को लेकर सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया।

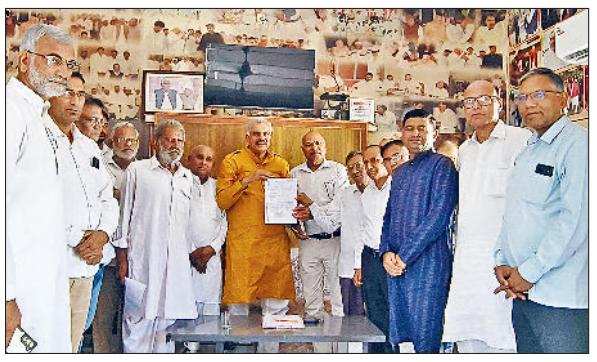
सीटू के आह्वान पर आयोजित इस प्रदर्शन के बाद कर्मियों ने विधायक चंद्र प्रकाश, रणधीर पनिहार और सावित्री जिंदल के प्रतिनिधियों को मांग पत्र सौंपा। मांगें पूरी न होने पर कर्मियों ने दिसंबर माह में होने वाले तीन दिवसीय दिल्ली संसद मार्च में बढ़-चढ़कर भाग लेने का निर्णय लिया। राष्ट्रीय फेडरेशनों के संयुक्त अखिल भारतीय आह्वान पर सैकड़ों मिड डे मील व आशा वर्कर डीसी कार्यालय में एकत्रित हुईं। सभा को संबोधित करते हुए सीटू जिला सचिव मनोज कुमार, जिला कोषाध्यक्ष अनीता, मिड डे मील वर्कर्स यूनियन की जिला उप प्रधान कमला, आशा वर्कर्स यूनियन की जिला उप प्रधान सीमा और आंगनवाड़ी जिला अध्यक्ष रोशनी ने कहा कि देश में केंद्र सरकार की परियोजनाओं में करीब 1 करोड़ वर्कर्स कार्यरत हैं, जिनमें अधिकतर महिलाएं हैं। वक्ताओं ने कहा कि आईसीडीएस (आंगनवाड़ी) योजना को 51 साल, मिड डे मील को 28 साल और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (आशा) को करीब 20 साल हो चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद इन बुनियादी परियोजनाओं को न तो स्थायी विभाग में बदला जा रहा है और न ही पर्याप्त बजट दिया जा रहा है। इस मौके पर जिला सहसचिव कृष्णा शर्मा और आशा वर्कर्स की जिला उप प्रधान सुमन, ऊषा, मीरा, मुकेश, राजकली, संतोष, दर्शना और रजत एडवोकेट ने भी संबोधित किया।



हिसार। प्रदर्शन करती मिड डे मील, आशा एवं आंगनबाड़ी कर्मी।

प्रदर्शनकारियों की प्रमुख मांगें

- 45वें श्रम सम्मेलन के निर्णयानुसार सभी आंगनवाड़ी, आशा, मिड डे मील, क्रेच वर्कर्स व हैल्पर्स को स्थायी कर्मचारी का दर्जा दिया जाए।
- सभी स्कीम वर्कर्स को 42,000 रुपये न्यूनतम वेतन दिया जाए और वेतन पूरे 12 महीने मिले।
- सभी कर्मियों को ग्रेच्युटी, सेवानिवृत्ति लाभ और 21,000 रुपये मासिक पेंशन दी जाए।
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 रद्द हो और किसी भी मिड डे मील वर्कर की छंटनी न की जाए; छंटनीग्रस्त वर्कर्स को बहाल किया जाए।
- एफआरएस अनिवार्य करने पर रोक लगे, 6 साल तक के बच्चों का आंगनवाड़ी केंद्रों में पंजीकरण सुनिश्चित करते हुए ढांचागत व्यवस्था की जाए।
- आशा वर्कर्स के लिए केंद्र सरकार द्वारा घोषित 1,500 रुपये जारी किए जाएं और ऑनलाइन काम का बोझ कम किया जाए।
- सभी परियोजनाओं को मजबूत करने के लिए पर्याप्त बजट आवंटित किया जाए।



हिसार। विधायक रणधीर पनिहार को मांगपत्र सौंपते हुए।

ढाणियों में जल्द दूर होगा बिजली संकट: पनिहार

- एपी फीडर से 16 घंटे मिलेगी सिंगल-फेज बिजली : विधायक
- किसानों को 8 घंटे तीन-फेज आपूर्ति रहेगी जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

नलवा विधानसभा क्षेत्र की ढाणियों में रहने वाले लोगों को बिजली संबंधी समस्याओं से जल्द राहत मिलने की उम्मीद है। विधायक रणधीर पनिहार द्वारा 22 सितंबर को आयोजित जन संवाद कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के समक्ष उठाए गए महत्वपूर्ण जनहित के मुद्दे पर हरियाणा सरकार ने सकारात्मक निर्णय लिया है। अब एग्रीकल्चरल पंप (एपी) फीडर से किसानों के ट्यूबवेलों के लिए निर्धारित 8 घंटे की तीन-फेज बिजली आपूर्ति के बाद शेष 16 घंटे सिंगल-फेज बिजली उपलब्ध कराई जाएगी। विधायक रणधीर पनिहार ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार ने ग्रामीणों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए संवेदनशीलता का परिचय दिया है।

इस निर्णय से न केवल ढाणियों में बिजली कनेक्शन प्राप्त करना आसान होगा, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में लंबे समय से चली आ रही बिजली संबंधी समस्याओं के समाधान में भी मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार किसानों, ग्रामीणों और आमजन के हितों को प्राथमिकता देते हुए बिजली, पानी, सड़क सहित मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार काम कर रही है।



हिसार। विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित करते हुए।

'भारत को जानो' में जीनियस स्कूल प्रथम

हिसार। भारत विकास परिषद गायत्री शाखा बरवाला द्वारा भारत को जानो प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में क्षेत्र के 11 स्कूलों की टीमों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के जूनियर वर्ग में जीनियस हाई स्कूल खेड़ी बर्की की टीम ने शानदार प्रदर्शन किया। स्कूल की होनहार छात्राओं अंशिका व तिनाक्षी ने कड़े मुकाबले में प्रतिद्वंद्वी टीमों को पछाड़ते हुए प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। बरवाला शाखा की ओर से विजेता रही यह जूनियर टीम अब नवंबर महीने में प्रांत स्तर पर होने वाली प्रतियोगिता में भाग लेगी। विद्यालय की इस उपलब्धि पर मुख्याध्यापक नरेंद्र सिंह सेठी ने विजेता छात्राओं, उनके अभिभावकों और समस्त स्टाफ को हार्दिक बधाई दी और उज्जवल भविष्य की कामना की।

योगी सहजानंद को इंटरनेशनल लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड

हिसार। ज्योतिष, वास्तु, तंत्र, कर्मकांड, रेकी, टैरो कार्ड, हस्तरेखा एवं अध्यात्म के क्षेत्र में उल्लेखनीय एवं विशेष योगदान के लिए महामृत्युंजय संस्थान के योगी सहजानंद को प्रतिष्ठित इंटरनेशनल लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड-2026 से सम्मानित किया गया। यह सम्मान जीवन रेखा ज्योतिष शोध केन्द्र, भोपाल द्वारा स्वर्गीय पंडित मनीराम उपाध्याय की स्मृति में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिष समागम एवं दैवज्ञ सम्मान समारोह के दौरान प्रदान किया गया। संस्था की ओर से प्रदान किए गए सम्मान-पत्र में कहा गया कि योगी सहजानंद ने ज्योतिष, वास्तु, तंत्र, कर्मकांड, रेकी, टैरो कार्ड, हस्तरेखा एवं अध्यात्म जैसे विविध क्षेत्रों में अपने ज्ञान, अनुभव एवं साधना के माध्यम से उल्लेखनीय कार्य किया है। उनके इसी विशेष योगदान को देखते हुए संस्था ने उन्हें "इंटरनेशनल लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड-2026 से सम्मानित करते हुए गौरव की अनुभूति व्यक्त की तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में उनके द्वारा मय्यड़ सहित विभिन्न स्थानों पर स्थापित किए गए महामृत्युंजय यंत्रों की भी विशेष रूप से प्रशंसा की गई। योगी सहजानंद को मिले इस अंतरराष्ट्रीय सम्मान पर महामृत्युंजय संस्थान, हिसार से जुड़े पदाधिकारियों, शुभचिंतकों एवं अनुयायियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह सम्मान न केवल योगी सहजानंद की वर्षों की साधना एवं सेवाओं का सम्मान है, बल्कि ज्योतिष एवं अध्यात्म के क्षेत्र में उनके योगदान को मिली अंतरराष्ट्रीय पहचान भी है।



क्रांतिमान पार्क से नागौरी गेट तक इंडिया गठबंधन का प्रदर्शन 8 को : बृज लाल

- एसआईआर प्रक्रिया तथा मतदाता सूचियों में हुए बदलावों को लेकर गंभीर सवाल उठाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

लोकतंत्र, मतदाता अधिकारों और निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया की रक्षा के मुद्दे को लेकर इंडिया गठबंधन ने आंदोलन को और तेज करने का ऐलान किया है। रविवार को कांग्रेस भवन में जिला स्तरीय प्रेस वार्ता में गठबंधन के नेताओं ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की भूमिका, एसआईआर प्रक्रिया व मतदाता सूचियों में बदलावों को लेकर गंभीर सवाल उठाए व आंदोलन की रूपरेखा सार्वजनिक की। जिला कांग्रेस कमेटी (ग्रामीण), के अध्यक्ष बृजलाल बहबलपुरिया ने बताया कि 8 अक्टूबर को क्रांतिमान पार्क में हजारों कार्यकर्ता एकत्रित होंगे, जहां से नागौरी गेट तक रोष प्रदर्शन निकाला जाएगा।



वामपंथी व कांग्रेस नेताओं ने बुलंद की आवाज

प्रेस वार्ता में सीपीएम जिला सचिव दिनेश सिवाच ने कहा कि मतदाता सूची से नाम हटना सीधे तौर पर लोकतांत्रिक व्यवस्था को प्रभावित करता है। सीपीआईएम के वरिष्ठ नेता एमएल सहगल ने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर जनता का विश्वास बहाल करने के लिए पारदर्शी समीक्षा की मांग की। सीपीएम की वरिष्ठ नेत्री शकुंतला जाखड़ ने कहा कि एसआईआर के नाम पर आम लोगों को परेशान करना बंद कर पात्र नागरिकों के वोट बहाल किए जाएं। इस एआईसीसी सदस्य राजेश संदलाना, प्रदेश प्रवक्ता विनोद लॉयल, पूर्व पार्षद बीरमती सरोहा, वरिष्ठ नेता सतीश भाटिया, कृष्ण कुमार सहित गठबंधन के अनेक नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।



हैप्पी क्लासरूम कार्यशाला में शिक्षकों ने सीखे सकारात्मक शिक्षण के गुर

हांसी। श्री कृष्ण प्रणामी पब्लिक स्कूल में शिक्षण प्रक्रिया को अधिक आनंदमय, सकारात्मक और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से 'हैप्पी क्लासरूम' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें विद्यालय के करीब 60 शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यशाला में रिसोर्स पर्सन सीमा बब्बर और मधुलिका सिंह ने शिक्षकों को हैप्पी क्लासरूम की अवधारणा, सकारात्मक शिक्षण वातावरण और विद्यार्थियों के साथ प्रभावी एवं संवेदनशील संवाद के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रसन्न और तनावमुक्त कक्षा का वातावरण विद्यार्थियों में सीखने की रुचि, रचनात्मकता, आत्मविश्वास और सहभागिता बढ़ाने में अहम भूमिका निभाता है। कार्यशाला के दौरान शिक्षकों को विभिन्न गतिविधियों और व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से कक्षा को अधिक जीवंत एवं आनंददायक बनाने के प्रभावी तरीके भी बताए गए। शिक्षकों ने गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी करते हुए नई शिक्षण रणनीतियों को समझा। विद्यालय के प्राचार्य अनिल कुमार ने दोनों रिसोर्स पर्सन का स्वागत कर उन्हें अतिथि सम्मान से सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षक केवल ज्ञान देने वाले नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण मार्गदर्शक भी हैं।

वीर सपूतों के नाम डोभी के गौरव पट्ट पर दर्ज हों

- गांव डोभी के चेतराम तथा चंदा ने दी थी शहादत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

देश की आज़ादी के लिए अपने प्राणों की बाजी लगाने वाले वीर योद्धाओं को इतिहास के पन्नों से खोजकर उन्हें हक और सम्मान दिलाने की मुहिम में एक और बड़ी सफलता मिली है। दो जागरूक शोधकर्ताओं ने अथक प्रयास के बाद गांव डोभी के दो गुमनाम स्वतंत्रता सेनानियों का नाम आधिकारिक सरकारी रिकॉर्ड्स खोज निकाला है। अब इन दोनों वीर सपूतों के नाम गाव के गौरव पट्ट पर अंकित करवाने के लिए जिला प्रशासन और ग्राम पंचायत से पुरजोर माग की जा रही है। स्वतंत्रता सेनानी परिवारों की नई पीढ़ी के दो शोधकर्ताओं श्री भगवान फौगाट और अमर शहीद स्वतंत्रता सेनानी नेतराम लोहचब के पड़पोते ने ऐतिहासिक दस्तावेजों को खंगालकर इन दो स्वतंत्रता सेनानियों के प्रामाणिक रिकॉर्ड खोजे हैं। 'हूज हू' सरकारी आधिकारिक दस्तावेजों के अनुसार, चेत राम पुत्र राम किशन, गांव व डाकखाना डोभी के निवासी थे। वे पहले ब्रिटिश इंडियन आर्मी में सिपाही नंबर 41116 थे, जिसके बाद वे देश को आज़ाद कराने के लिए नेताजी सुभाष चंद्र बोस की आज़ाद हिन्द फौज में शामिल हो गए। इनके अलावा पंजाब स्वतंत्रता सेनानी के आधिकारिक रिकॉर्ड पेज नंबर 273 के अनुसार, चंदा पुत्र हुक्मन, गांव व डाकखाना डोभी के निवासी थे। इन्होंने साल 1940 में इंडियन आर्मी ज्वाइन की थी और गनर नंबर 50352 के रूप में एचकेएसआरए में तैनात रहे। देश की आज़ादी की लड़ाई लड़ते हुए वे 15 फरवरी 1942 को आज़ाद हिन्द फौज में शामिल हुए और देश सेवा करते हुए वीरगति को प्राप्त हुए।

गौरव पट्ट पर स्थान देने की मांग तेज

वर्तमान में गांव डोभी में स्थापित 'गौरव पट्ट' पर गांव के 11 वीर योद्धाओं, शहीदों और सैन्य अधिकारियों के नाम दर्ज हैं। इस पट्ट पर आज़ाद हिन्द फौज से जुड़े तीन स्वतंत्रता सेनानियों रामजीलाल भारी, तुलसीदास भारी और भिरखूराम ज्याणी के नाम पहले से अंकित हैं। शोधकर्ताओं और ग्रामीणों का कहना है कि जब प्रामाणिक सरकारी दस्तावेजों में चेत राम और शहीद चंदा दोनों का नाम इसी गांव डोभी से दर्ज है, तो उन्हें भी गांव के इस गौरव पट्ट पर बराबर का स्थान और सम्मान मिलना चाहिए।



विवेक मिस्टर व अंशुल बनी मिस फ्रेशर

हिसार। सीआर लॉ कॉलेज में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के स्वागत एवं उनके उत्साहवर्धन के उद्देश्य से फ्रेशर पार्टी का आयोजन हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की वंदना से हुआ। इसके पश्चात कॉलेज के प्राचार्य डॉ. कृष्ण कुमार काजल ने विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि कॉलेज जीवन केवल शैक्षणिक ज्ञान प्राप्त करने तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास, आत्मविश्वास और प्रतिभा को निखारने का भी महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने नवप्रवेशित विद्यार्थियों को अनुशासन, सकारात्मक सोच और निरंतर मेहनत के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। फ्रेशर पार्टी के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, संगीत, नृत्य एवं मनोरंजक गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिताओं के निर्णायक मंडल में डॉ. ज्योति बूरा, डॉ. अनिता एवं मिस मोनिका बेनीवाल ने अपनी भूमिका निभाई। कार्यक्रम में मिस्टर फ्रेशर का खिताब विवेक एवं मिस फ्रेशर का खिताब अंशुल ने प्राप्त किया। वहीं मिस्टर पर्सनैलिटी का खिताब अभिषेक तथा मिस पर्सनैलिटी का खिताब मोनिका को प्रदान किया गया। इस अवसर पर डॉ. कुशल राज, संतलाल, कृष्ण शर्मा, पुनीत, नैना, किरण, अंजली, ज्योति, आरजू, तनु, समीक्षा आदि मौजूद रहें।

मंडियों में धान व बाजरे का खरीद व उठान न होने से नाराजगी : गर्ग



हिसार। हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष व हरियाणा कान्फैड के पूर्व चेयरमैन बजरंग गर्ग ने व्यापारी प्रतिनिधियों व किसानों से बातचीत करने के उपरांत कहा कि सरकार द्वारा धान व बाजरे की खरीद बहुत धीमी गति से करने से किसान व आढ़तियों में बड़ी भारी नाराजगी है। सरकार द्वारा मंडियों में धान व बाजरे का खरीद व उठान न होने से भारी नाराजगी है। यहां तक की मूंग की सरकारी खरीद न होने से मूंग खुले बाजार में एमएसपी से 1600 रुपये प्रति क्विंटल किसानों की कम दामों में बिक रहा है। सरकार की गलत नीतियों से प्रदेश का किसान व आढ़ती बर्बादी के कगार पर है। सरकार को अपने वायदे के अनुसार तुरंत धान व बाजरे की खरीद, उठान व भुगतान करना चाहिए ताकि किसान भारी नुकसान से बच सकें। बजरंग गर्ग ने कहा कि मंडियों में धान व बाजरे खरीद के लिए सरकार की तरफ से कोई व्यवस्था तक नहीं है। सरकार को अनाज खरीद, उठान व गोदाम में लगाने के लिए पुख्ता से पुख्ता प्रबंध करने चाहिए।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 7988727916, 9315429403, 9253681005



हिसार। पं. यशेदानन्दन महाराज के साथ कलश यात्रा में भाग लेती महिलाएं।

कलश यात्रा के साथ भागवत कथा शुरू

हिसार। उत्तम नगर स्थित गुरुद्वारा साहिब में पितृ पक्ष के उपलक्ष्य में महिला संकीर्तन मंडल के तत्वाधान में श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ किया गया। कथा से पूर्व कथा वाचक पं. यशोदानन्दन महाराज के सान्निध्य में उत्तम नगर, बड़वाली ढाणी, शांति नगर में कलश यात्रा निकाली गई जिसमें दर्जनों महिलाओं ने भाग लिया। यजमान के रुप में हिमांशु नागपाल व उनकी धर्मपत्नी कृतिका ने भाग लिया। गुरुद्वारा के मुख्य सेवादार बाबा त्रिलोचन सिंह ने पूजा करवाई। कलश यात्रा में नीटा नागपाल, आशु सपड़ा, कनिका हंस, सोनम, सीमा, रेखा, निशा, प्रभुता, शगुन, पलक, गिन्नी, सुमन, साक्षी, ममता, ऊषा, सिमरण, शकुंतला, मीना कुमारी, गीता, सावित्री कुकड़ेजा, लाजवंती, मूर्ति देवी, गीता, सहित अनेक श्रद्धालुओं ने भाग लिया। नीटा नागपाल ने बताया कि 10 अक्टूबर तक रोजाना दोपहर बाद 3 बजे से 6 बजे तक कथा होगी। कथा में रोजाना मनमोहक झांकियां प्रस्तुत की जाएंगी।

वानप्रस्थ डिग्निटी ट्रस्ट की बैठक में किया गहन विचार-विमर्श

संवैधानिक प्रावधानों को लगातार कमजोर करना बेहद चिंताजनक रुझान: अशोक गर्ग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

आज़ादी के बाद देश को दिशा देने में संविधान सभा की भूमिका और वर्तमान समय में संवैधानिक मूल्यों पर मंडरा रहे खतरों को लेकर शनिवार को वानप्रस्थ डिग्निटी ट्रस्ट द्वारा आयोजित साप्ताहिक बैठक में गहन विचार-विमर्श किया गया। बैठक में मुख्य वक्ता के रूप में पूर्व कमिश्नर (रिटायर्ड) अशोक गर्ग और हरियाणा ज्ञान-विज्ञान समिति रोहतक के अध्यक्ष प्रमोद गौरी ने शिरकत की। बैठक में रतन लाल कामरा भी पहली बार शामिल हुए। बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता अशोक गर्ग ने कहा कि संविधान की प्रस्तावना में भारत को एक प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष और लोकतंत्रात्मक गणराज्य के रूप में स्थापित किया गया था, लेकिन वर्तमान में ये सभी मूल विशेषताएं कमज़ोर होती दिख रही हैं। उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि अमेरिका के दबाव में रूस और ईरान से तेल आयात सीमित करना देश की संप्रभुता से समझौता है। क्रोनी कैपिटलिज्म का बढ़ता रुझान हमारे समाजवादी लक्ष्यों को नुकसान पहुंचा रहा है। वहीं, एसआईआर के माध्यम से 13 करोड़ से अधिक मतदाताओं के नाम काटा जाना देश के लोकतांत्रिक ढांचे पर सीधा कुठाराघात है। हरियाणा ज्ञान-विज्ञान समिति के अध्यक्ष प्रमोद गौरी ने बैठक में अपनी बात रखते हुए कहा कि भले ही समाजवादी शब्द को 1976 में प्रस्तावना में जोड़ा गया हो, लेकिन इसकी भावना मूल संविधान के निर्माण के समय से ही मौजूद थी।



हिसार। चर्चा करते पूर्व मंडलायुक्त अशोक गर्ग एवं वानप्रस्थ डिग्निटी ट्रस्ट के सदस्य।

8 को होंगे दो कार्यक्रम

बैठक के दूसरे सत्र में संयुक्त राष्ट्र वृद्धजन दिवस 2026 के संदर्भ में चर्चा की गई। ट्रस्ट डॉ. सतीश कालरा ने बताया कि इस वर्ष का मुख्य विषय दीर्घायु के मौजूदा युग के अनुरूप नीतियां तय किया गया है। इसी विषय पर 8 अक्टूबर को न्यूर्योक में एक अंतरराष्ट्रीय पैनल वार्ता आयोजित की जा रही है, जिसमें दीर्घायु समाज में स्वास्थ्य, उत्पादकता, आर्थिक सुरक्षा और सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित करने वाली नीतियों पर मंथन होगा। ट्रस्ट द्वारा 8 अक्टूबर को इसी थीम पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें लंबी आयु जी रहे व्यक्तियों के अनुभवों के आधार पर भावी नीतियों पर विचार किया जाएगा। एक अन्य कार्यक्रम असंगठित क्षेत्र के बुजुर्गों की समस्याओं और अनुभवों पर आधारित होगा।